सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

भोपाल

शुक्रवार, 22 नवंबर, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-83 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

मणिपुर : सीएम बीरेन सिंह बने बीजेपी के सिरदर्द

मौसमी दास गुप्ता

केंद्र ने मणिपुर में नए सिरे से फैली हिंसा को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की अतिरिक्त कंपनियों को तैनात किया है, लेकिन केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के लिए एक बड़ा सिरदर्द यह है कि पार्टी की राज्य इकाई में 'फूट' पड़ गई है।

सोमवार को मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के आवास पर हुई बैठक में छह मैतेई महिलाओं और बच्चों के अपहरण और हत्या के पीछे कुकी उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने का प्रस्ताव पारित किया गया, जो इस बात का ताज़ा उदाहरण है कि मणिपुर के मुख्यमंत्री को अपने लोगों को एकजुट रखना कितना मुश्किल लग रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि सोमवार को मंत्रियों सहित करीब 26 विधायक बैठक में शामिल हुए थे, वहीं भाजपा के 37 विधायकों में से कई बैठक में अनुपस्थित रहे। सात कुकी विधायकों के अलावा सत्तारूढ़ पार्टी के एक दर्जन से अधिक मैतेई विधायक बैठक में शामिल नहीं हुए या बैठक में शामिल न होने का कोई कारण भी नहीं बताया।

बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें केंद्र से अपील की गई कि वह 14 नवंबर को जिरीबाम में हुई हिंसा के बाद घाटी के छह पुलिस थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) लागू करने के फैसले की समीक्षा करे। यह भी फैसला लिया गया कि अगर लिए गए प्रस्तावों को निर्धारित अवधि के भीतर लागू नहीं किया जाता है, तो सभी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन विधायक 'राज्य के लोगों के परामर्श से भविष्य की कार्रवाई' तय करेंगे। 60-सदस्यीय मणिपुर विधानसभा में, भाजपा के पास 37 विधायक हैं, जिनमें जनता दल (यूनाइटेड) से आए पांच व भाजपा की सहयोगी नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के पास पांच विधायक हैं।

एक अन्य पूर्व सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), जिसने पिछले रविवार को जिरीबाम हिंसा के बाद अपना समर्थन वापस ले लिया था, के पास सात विधायक हैं। पूर्व सहयोगी कुकी पीपुल्स अलायंस के पास दो, कांग्रेस के पास पांच विधायक, जेडी(यू) के पास एक और तीन निर्दलीय विधायक हैं।

एक विधायक ने कहा, 'मुख्यमंत्री सचिवालय ने 11 विधायकों/मंत्रियों की सूची जारी की, जिन्होंने बैठक में शामिल न होने का कोई कारण नहीं बताया, जबकि अनुपस्थित रहने वालों की वास्तविक सूची लंबी है।' दिल्ली में मौजूद एक अन्य विधायक ने बताया, 'पिछले एक साल में सीएम बीरेन सिंह के अपने विधायकों के बीच समर्थन में कमी आई है। पिछले साल ही कुकी बीजेपी विधायकों ने हिंसा के बाद उनके इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन पिछले एक साल में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जब कई मैतेई बीजेपी विधायकों ने उन्हें हटाने की मांग की है।'

पिछले महीने मणिपुर विधानसभा के अध्यक्ष सत्यव्रत सिंह और शिक्षा मंत्री टी. विश्वजीत सिंह समेत पार्टी के करीब 19 विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बीरेन सिंह को हटाने की मांग की थी। 'केंद्रीय नेतृत्व जानता है कि वर्तमान समय में मणिपुर में बीजेपी के भीतर फूट पड़ रही है। अगर विधायक खुलकर कुछ नहीं कह रहे हैं, तो इसका कारण सशस्त्र समूहों द्वारा निशाना बनाए जाने का डर है।' हम ने मुख्यमंत्री से फोन पर बात करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

तीसरे बीजेपी विधायक ने कहा कि बीरेन सिंह पर यह दिखाने का बहुत दबाव है कि मणिपुर में स्थिति नियंत्रण में है। सोमवार की बैठक इसी बात का संकेत देने के लिए बुलाई गई थी। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने जिरीबाम में हुई घटना की निंदा की और कहा कि सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक अपराधियों को सज़ा नहीं मिल जाती।

तीन मिनट के वीडियो क्लिप में उन्होंने कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और राज्य पुलिस का 'हार्दिक आभार' भी व्यक्त किया और कहा कि राज्य हमेशा अपने लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देगा। उन्होंने राज्य में शांति लाने के लिए केंद्र की 'अथक प्रतिबद्धता' के लिए भी धन्यवाद दिया।

हालांकि, राज्य में तैनात एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि बीरेन सिंह की अलोकप्रियता के बावजूद, उन्हें हटाए जाने की संभावना नहीं है। 'इस मोड़ पर, तो कतई नहीं। उन्हें हटाने का कोई भी फैसला यह संदेश देगा कि केंद्र ने कुकी के दबाव में ऐसा किया है, जो लगातार उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है, तो इस बात का वास्तविक डर है कि घाटी (इम्फाल), जो अभी बहुत अस्थिर है उसमें हिंसा भड़क सकती है और इसे नियंत्रित करना मुश्किल हो सकता है।' अधिकारी ने कहा कि केंद्र सावधानी से कदम उठा रहा है क्योंकि वह स्थिति की अस्थिरता से वाकिफ है। अगर सीएम को हटाने का कोई फैसला लेना है, तो यह 2027 के विधानसभा चुनावों के करीब हो सकता है। अभी नहीं। इस समय केंद्र की प्राथमिकता राज्य में सुरक्षा बढ़ाना है ताकि आगे कोई हिंसा न हो।

इस समय केंद्र सरकार राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को संभालने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में व्यस्त है। हिंसा की ताज़ा घटनाओं के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य में 5 हजार से अधिक कर्मियों वाली सीएपीएफ की 50 और कंपनियों की तैनाती का आदेश दिया है। सेना ने सोमवार को इम्फाल में फ्लैग मार्च भी किया। सिर्फ नागरिक ही नहीं, इम्फाल में निर्वाचित प्रतिनिधि भी भीड़ की हिंसा का शिकार हुए हैं। शनिवार को जिरीबाम घटना के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही गुस्साई भीड़ ने घाटी में रहने वाले एक दर्जन से अधिक विधायकों और मंत्रियों के आवासों में तोड़फोड़ की। भीड़ ने सीएम बीरेन सिंह के पैतृक घर में घुसने की भी कोशिश की और तोड़फोड़ की।

इन घटनाओं के बाद से पूरे इम्फाल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जिसमें मैतेई विधायकों और मंत्रियों के आवास भी शामिल हैं। मंत्री एल. सुशिंद्रो के आवास के बाहर कंसर्टिना तार, बंकर और एक बड़ा लोहे का गेट लगाया गया है। हालांकि, मणिपुर पिछले साल मई से ही उबल रहा है, जब पहली बार मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष हुआ था, लेकिन हिंसा का ताज़ा दौर तब शुरू हुआ, जब सीआरपीएफ ने जवाबी फायरिंग में कथित तौर पर दस हमार उग्रवादियों को मार गिराया। इसके बाद जिरीबाम में एक शरणार्थी शिविर से छह मैतेई महिलाओं और बच्चों का अपहरण किया गया। बराक नदी में आठ महीने के एक शिशु सहित छह लोगों के शव मिलने के बाद तनाव बढ़ गया।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

डोमिनिका और गुयाना ने पीएम मोदी को दिया सर्वोच्च सम्मान

● भारत गुयाना में जन औषधि केन्द्र खोलेगा, डिजिलॉकर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लॉन्च होगा

जॉर्जटाउन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुयाना में कैरिबियाई देश डोमिनिका ने 'द डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया है। डोमिनिका की राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन ने पीएम मोदी को अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा। कोविड-19 महामारी के दौरान डोमिनिका को वैक्सीन पहुंचाने के लिए पीएम मोदी को यह अवॉर्ड दिया गया है। गुयाना ने भी मोदी को अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ एक्सिलेंस' और बारबाडोस ने ऑनररी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस से सम्मानित किया। उन्होंने अवॉर्ड सभी भारतवासियों को समर्पित किया। इसके अलावा दो दिवसीय गुयाना यात्रा में पीएम मोदी ने कैरिबियाई देशों के प्रतिनिधियों के साथ दूसरे इंडिया-कैरिकॉम समिट में भी हिस्सा लिया। समिट के इतर प्रधानमंत्री ने कैरिबियाई देशों के प्रतिनिधियों से द्विपक्षीय चर्चाएं कीं। गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान के अलावा पीएम मोदी ने डोमिनिका के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट और सूरीनाम के राष्ट्रपति चान संतोखी सहित अन्य नेताओं से औपचारिक बातचीत की। बातचीत के बाद पीएम मोदी और राष्ट्रपति इरफान ने लोगों को संबोधित भी किया। गुयाना के राष्ट्रपति ने कहा- पीएम मोदी का का यहां होना हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। वे नेताओं के बीच चैंपियन हैं। मोदी ने शानदार लीडरशिप की है। विकासशील दुनिया को रोशनी दिखाई है। विकास का वो तरीका अपनाया है, जिसे कई लोग अपने देश में अपना रहे हैं। मोदी ने गुयाना में स्वागत के लिए राष्ट्रपति इरफान का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इरफान का भारत के साथ विशेष रिश्ता है। वे भारतीय समुदाय के ब्रांड एंबेसडर हैं। पीएम ने कहा कि वो लगभग 24 साल के बाद गुयाना की यात्रा पर आए हैं। इससे पहले वो एक आम आदमी के तौर पर निजी यात्रा के लिए गुयाना आए थे। किसी भारतीय पीएम का यह 56 साल बाद गुयाना दौरा है। भारत ने गुयाना के लोगों के कौशल विकास में योगदान दिया है।

अडाणी के बहाने राहुल का पीएम मोदी पर बड़ा हमला

अडाणी को बचा रहे हैं पीएम मोदी

● कहा-2000 करोड़ का घोटाला करके भी बाहर हैं अडाणी

नईदिल्ली (एजेंसी)। 21 अक्टूबर गुरुवार को राहुल गांधी ने अमेरिका में गौतम अडाणी पर लगे करप्शन के आरोपों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा था कि अडाणी जी 2 हजार करोड़ रुपए का स्कैम कर रहे हैं और बाहर घूम रहे हैं, क्योंकि पीएम मोदी उन्हें प्रोटेक्ट कर रहे हैं। गौतम अडाणी ने अमेरिका में क्राइम किया है, लेकिन भारत में उन पर कुछ नहीं हो रहा है। अडाणी की प्रोटेक्टर SEBI की चेयरपर्सन माधबी बुच पर केस होना चाहिए।

न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में हुई सुनवाई में गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों की धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोप लगे हैं। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस का कहना है कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल

करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे हैं। आरोप है कि ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर राज्य में बिजली कंपनियों के साथ कॉन्ट्रैक्ट करने के लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी।

अडाणी को शाम होते-होते दूसरा बड़ा झटका, केन्या में कई सौदे रद्द

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने गुरुवार को बड़ा ऐलान किया। उन्होंने अपने देश के मुख्य हवाई अड्डे के विस्तार की योजना रद्द कर दी है।

इस प्रोजेक्ट के लिए भारत के अडाणी समूह ने भी बोली लगाई थी। रुटो ने अडाणी ग्रुप के साथ 70 करोड़ डॉलर से ज्यादा का एक और सौदा रद्द कर दिया है। यह सौदा बिजली लाइनों के निर्माण के लिए हुआ था। यह सब अडानी ग्रुप पर अमेरिका में लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद हुआ है। अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि अडाणी ग्रुप ने भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी थी।

भारी बिकवाली के बीच सेंसेक्स, निफ्टी में गिरावट, अदाणी ग्रुप को सबसे ज्यादा झटका

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भी बड़ी गिरावट दिखी। अरबपति उद्योगपति गौतम अडाणी पर अमेरिका में कथित तौर पर रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का आरोप लगा है। इससे अडाणी ग्रुप की सभी 10 लिस्टेड कंपनियों में भारी गिरावट आई है। हालांकि, अडाणी ग्रुप ने धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोपों पर बयान जारी करके सफाई दी है। उसने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। अडाणी ग्रुप ने यह भी कहा कि वह अपने सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करेगा। विदेशी फंडों की लगातार निकासी और एशियाई-यूरोपीय बाजारों के कमजोर प्रदर्शन ने भी भारतीय बाजार को प्रभावित किया। बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 422.59 अंक यानी 0.54 प्रतिशत गिरकर 77,155.79 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 775.65 अंक यानी 0.99 प्रतिशत गिरकर 76,802.73 पर आ गया। एनएसई निफ्टी 168.60 अंक यानी 0.72 प्रतिशत गिरकर 23,349.90 पर आ गया।

मध्यप्रदेश की पहली मेडिसिटी बनेगा उज्जैन

एक शहर में मिलेगा हर चिकित्सा पद्धति का इलाज, अयोध्या भेजे महाकाल के लड्डू

सीएम ने रखी आधारशिला

भोपाल/उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में गुरुवार को 592.3 करोड़ रुपए से बनने वाले मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां प्रदेश की पहली मेडिसिटी की आधारशिला भी रखी।

भूमि पूजन कार्यक्रम में सीएम ने कहा, 'यह हमारा एकमात्र ऐसा प्रोजेक्ट है, जहां 13 मंजिल की हाईराइज बिल्डिंग्स बनेंगी। फैकल्टी का रेसिडेंशियल कैम्पस भी यहीं होगा। कोई भी चिकित्सा क्षेत्र की सर्जरी, बीमारी का इलाज यहीं होगा, कहीं जाने की जरूरत नहीं है।'

उमेश नाथ महाराज ने भूमि पूजन कराया। सामाजिक न्याय परिसर में हुए भूमि पूजन में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद अनिल फिरौजिया भी शामिल हुए। मेडिकल कॉलेज तीन साल में बनकर तैयार हो जाएगा। कलेक्टर नीरज सिंह ने बताया- उज्जैन में बनने वाला मेडिकल कॉलेज 14.97 एकड़ जमीन पर 592.3 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा। इसमें 550 बेड की क्षमता वाला अस्पताल होगा। 150 मेडिकल छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जाएगी। कॉलेज परिसर में 14 मंजिल हॉस्टल और 6 मंजिल अस्पताल का निर्माण होगा। महाकाल की लड्डू प्रसादी अयोध्या भेजी गई। रथ को सीएम ने रवाना किया। जनकपुर, नेपाल में आयोजित श्री राम-सीता विवाह उत्सव में आने वाले भक्तों को वितरित की जाएगी।

डिप्टी सीएम ने की सीएम की तारीफ

मेडिसिटी और मेडिकल कॉलेज के भूमि पूजन कार्यक्रम में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा, डॉ. मोहन यादव को सीएम बने हुए एक साल भी पूरे नहीं हुए और उज्जैन को मेडिसिटी बनाया जा रहा है। प्रदेश में कई मेडिकल कॉलेज खुलने जा रहे हैं। इससे प्रदेश में एमबीबीएस की 8 से 10 हजार सीट बढ़ेंगी।

उज्जैन के लिए सीएम की घोषणाएं

- 2025 में आयुर्वेदिक एम्स मेडिकल कॉलेज मिलने की संभावना है, होम्योपैथिक कॉलेज भी खुलेगा।
- मेडिसिटी के जरिए 1500 से ज्यादा बेड वाले सुपर और मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल का प्रबंधन किया जाएगा।
- शहर के फ्रीगंज में नया कार्यालय बनेगा। एक जगह आइजी, डीआईजी, एसपी, कलेक्टर, दूसरे अधिकारियों के कार्यालय होंगे।

एमपी में अब 30 मेडिकल कॉलेज

सीएम ने कहा, 55 साल पहले प्रदेश में 5 मेडिकल कॉलेज थे। अब 17 चल रहे हैं। 13 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज भी हैं। इस हिसाब से 30 मेडिकल कॉलेज एमपी में हैं।

सुप्रभात

अबकी लौटा तो
बृहत्तर लौटूँगा
चेहरे पर लगाए नोकदार मूँछें नहीं
कमर में बाँधें लोहे की पूँछे नहीं
जगह दूँगा साथ चल रहे लोगों को
तरेर कर न देखूँगा उन्हें
भूखी शेर-आँखों से
अबकी बार लौटा तो
मनुष्यतर लौटूँगा
घर से निकलते
सड़को पर चलते
बसों पर चढ़ते
ट्रेनें पकड़ते
जगह बेजगह कुचला पड़ा
पिद्दी-सा जानवर नहीं
अगर बचा रहा तो
कृतज्ञतर लौटूँगा
अबकी बार लौटा तो
हताहत नहीं
सबके हिताहित को सोचता
पूर्णतर लौटूँगा।

\- कुँवर नारायण

अब भारतीय 'सेना' का साथ देंगे 'रोबोटिक' डॉग

● पहाड़ से लेकर पानी तक में रह पाएंगे ऐक्टिव, किया अभ्यास ● 40 से +55 डिग्री तापमान में भी करेंगे दुश्मन का मुकाबला

जैसलमेर (एजेंसी)। दुश्मनों से लोहा लेने में भारतीय सेना का साथ अब 'रोबोटिक डॉग' भी देगा। आदेश मिलते ही दुश्मनों पर टूट पड़ेगा। फायरिंग से लेकर दुश्मनों की हरकतों पर नजर रखने में यह हमारे सैनिकों के कंधा से कंधा मिलाकर युद्ध क्षेत्र में सक्रिय रहेगा। मात्र एक घंटे के चार्ज में लगातार 10 घंटे तक काम करने की इसमें क्षमता है। पहाड़, पानी,

जंगल... हर इलाके में इसकी मारक क्षमता जोरदार होगी। जैसलमेर के पोकरण फायरिंग रेंज में 'रोबोटिक डॉग' ने भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन के साथ अभ्यास किया है। 14 से 21 नवंबर तक चले इस अभ्यास के दौरान सेना के जवान भी इसकी खासियत से रूबरू हुए। भारतीय सेना में हाल ही में रोबोटिक मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट (आरएमयूएलआई) यानि रोबोटिक डॉग शामिल किए गए हैं।

10 किमी दूर से कर सकेंगे ऑपरेट

म्यूल डॉग 1 मीटर से 10 किमी की रेंज तक ऑपरेट किया जा सकता है। वाई-फाई या लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन यानी एलटीई पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। छोटी दूरी के लिए, वाई-फाई का उपयोग किया जा सकता है, जबकि 4जी/एलटीई का उपयोग 10 किमी तक की दूरी के लिए किया जा सकता है। इसमें कैमरा लगा होता है जो 360 डिग्री तक घूम सकेगा। रोबोटिक डॉग्स सेंसर्स के माध्यम से काम करते हैं। इनमें एक रिमोट कंट्रोल यूनिट होती है, जिससे इनको मॉनिटर किया जाता है। ये रोबोटिक डॉग्स जरूरी सामान भी पहुंचाएंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 22 नवंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

उज्जैन को मिला सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क का अवॉर्ड

18 राज्य में हुई रैंकिंग में पहला स्थान मिला,एमपीआईडीसी के निदेशक ने ग्रहण किया सम्मान

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन-देवास रोड स्थित विक्रम उद्योगपुरी को देश का सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क होने का गौरव प्राप्त हुआ है। देशभर के 18 राज्यों के औद्योगिक विकास निगमों से इस अवॉर्ड के लिए 140 औद्योगिक पार्कों ने पंजीकरण कराया था।

ऑनलाइन आवेदनों की स्क्रीनिंग और मूल्यांकन के बाद चुने गए पार्कों का फिक्की की टीम ने साइट निरीक्षण किया। अंतिम चयन के लिए दस्तावेजों और साइट निरीक्षण के आधार पर अंक दिए गए, जिनके आधार पर रैंकिंग तय हुई। इसमें उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी को देश का सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क का सम्मान मिला। वहीं समारोह में कुल 12 औद्योगिक पार्कों को

स्वच्छता के लिए सम्मानित किया गया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने दिया अवॉर्ड- फिक्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत 'स्वच्छ औद्योगिक पार्क' अभियान की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। गुरुवार को दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह अवार्ड मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ को प्रदान किया।

विक्रम उद्योगपुरी अब आइडियल बनेगा- एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ ने बताया कि यह सम्मान उज्जैन के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और विक्रम उद्योगपुरी को एक आदर्श के रूप में स्थापित करेगा, जिसका अनुसरण अन्य औद्योगिक क्षेत्र भी करेंगे। उज्जैन और विक्रम उद्योगपुरी को औद्योगिक जागरूकता के क्षेत्र में नई पहचान मिली है। उल्लेखनीय है कि पहला इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव भी उज्जैन में ही आयोजित किया गया था।

कॉन्स्टेबल को जंगल में घसीटा, बेहोश होने तक पीटा

ड्यूटी से लौटते समय बदमाशों ने किया हमला, रुपए, मोबाइल-वायरलेस लूटकर भागे

शहडोल (नप्र)। शहडोल में बदमाशों ने पुलिस कॉन्स्टेबल पर हमला कर नकदी, दो मोबाइल और वायरलेस लूट लिए। घायल कॉन्स्टेबल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात बुधवार देर रात अमलाई थाना इलाके के बटुरा गांव की है। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि कॉन्स्टेबल सुखसेन कोल अनूपपुर में ट्रैफिक डिपार्टमेंट में तैनात हैं। बकहो ओपीएम में रहते हैं। डेली अपडाउन कर नौकरी करते हैं। सुखसेन ने कहा- बुधवार को घर लौटने के दौरान बटुरा के मौहरीदाई मंदिर के पास रुका था। हाईवे से नीचे उतरा तो राजू सरगिया, संजय, सूरज और अन्य लोगों ने रोक लिया। गालियां देते हुए मोबाइल छीनने लगे। मैंने विरोध किया तो मारपीट करते हुए जंगल में घसीट ले गए। जंगल में ले जाकर बुरी तरह पीटा। अचेत हो गया तो छोड़कर भाग निकले। मेरी जेब में रखे रुपए, दो मोबाइल और वायरलेस सेट साथ ले गए।

पुरानी रंजिश के एंगल से भी जांच- अमलाई थाना प्रभारी जेपी शर्मा ने कहा, आरक्षक सुखसेन बटुरा का रहने वाला है। वारदात भी यहीं हुई है। वह पहले आरोपियों के साथ देखा जाता रहा है। पुरानी रंजिश के एंगल से भी मामले की जांच कर रहे हैं। जेपी शर्मा ने बताया- आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नतीजों से पहले ही सीएम पद को लेकर एमवीए में रार

नाना पटोले के बयान पर संजय राउत ने जताई सख्त आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा नतीजों से पहले ही महाविकास अघाड़ी में मुख्यमंत्री पद को लेकर बयानबाजी शुरू हो गई है। गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने कहा है कि मुख्यमंत्री तो उनका ही होगा। कांग्रेस की तरफ

से आए इस बयान पर शिवसेना (उद्धव गुट) ने आपत्ति जताई है। संजय राउत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम मानने वाले नहीं है। महाराष्ट्र में बुधवार 20 नवंबर को मतदान हुआ संपन्न हुआ। इस बार के चुनाव में 65 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

यूपी उपचुनाव में अबकी आरोपों के घेरे में रही 'खाकी'

यूपी उपचुनाव में पुलिस पर लगे आरोपों के बाद उठे सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए वोटिंग बुधवार को हो गई है। वोटिंग के दौरान कई जगह बवाल भी देखने को मिला है। साथ ही कई जगह पर ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों पर भी गंभीर

सवाल उठे हैं। सपा ने पुलिसकर्मियों पर मुस्लिम महिलाओं के बुर्का हटवाने से लेकर पहचान पत्र चेक करने को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत की है। वहीं चुनाव आयोग ने शिकायतों का संज्ञान लेते हुए 7 पुलिसकर्मियो को सस्पेंड कर दिया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए एएपी की पहली लिस्ट जारी

बीजेपी-कांग्रेस से आए 6 नेताओं को टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। लिस्ट में 11 नाम हैं। इनमें से छह नेता ऐसे हैं, जो बीजेपी या कांग्रेस छोड़कर आप में शामिल हुए हैं। ब्रह्म सिंह तंवर, बीबी त्यागी और अनिल झा ने हाल ही में बीजेपी छोड़ी थी। वहीं जुबैर चौधरी, वीर सिंह धींगान और सुमेश शौकीन कांग्रेस से आप में आए हैं। दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। इलेक्शन कमीशन मौजूदा सदन के पांच साल के कार्यकाल के खत्म होने की तारीख से पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कराता है। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था।

गंगा में 'आचमन' के लिए भी नहीं बचेगा जल!

प्रदूषण पर एनजीटी की ताजा रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता

देहरादून (एजेंसी)। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) की ओर से अक्टूबर में जारी रिपोर्ट में बताया गया कि अक्टूबर में एसटीपी से गंगा में गया पानी सितंबर की तुलना में ज्यादा खराब रहा। जल निगम व जल संस्थान के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)से निकलने वाले पानी ने अक्टूबर में भी गंगा को प्रदूषित किया। रिपोर्ट के अनुसार, ओल्ड सप्सेंशन चमोली के एसटीपी (.05 एमएलडी) से सितंबर में निकले पानी में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 280 मोस्ट प्रोबेबल नंबर (एमपीएन) थी, जो अक्टूबर में 1600 एमपीएन पर पहुंच गई है। गंगोत्री में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 540 से 920 एमपीएन पर पहुंच गई। बदरीनाथ में यह मात्रा 920 एमपीएन तक है। पीसीबी की रिपोर्ट से जल संस्थान में खलबली मची है।

एनएसयूआई ने कुलपति के सामने लगाया नकली नोटों का ढेर

बोले-फर्जी नियुक्ति पाकर कर रहे नौकरी- इस्तीफा दें, कुलपति बोले- यूजीसी के नियम पता करें

जबलपुर (नप्र)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति को फर्जी बताते हुए गुरुवार को जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कुलपति को नकली नोट देते हुए मांग की कि वे पैसे लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दें।

एनएसयूआई ने कुलपति को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है कि यदि इस्तीफा नहीं दिया गया, तो विश्वविद्यालय में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इधर एनएसयूआई के प्रदर्शन पर कुलपति ने जवाब देते हुए कहा कि प्रदर्शन करने वालों को ये जानकारी ही नहीं हैं, कि उनकी नियुक्ति यूजीसी से हुई है, पहले वहां जाकर पता करे, फिर नियुक्ति पर सवाल खड़े करें।

मीटिंग ले रहे थे वीसी, धमक पड़े छात्र- गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेश वर्मा प्रोफेसरों के साथ मीटिंग कर रहे थे, तभी एनएसयूआई के कार्यकर्ता अचानक हॉल में पहुंच गए। उन्होंने बैठक के बीच नकली नोटों से भरा सूटकेस खोला और कुलपति के सामने रख दिया। इस दौरान छात्रों ने जमकर नारेबाजी की।

एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष सचिन रजक ने कुलपति की नियुक्ति पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने आरोप लगाया कि, डॉ. राजेश वर्मा इस पद के योग्य नहीं हैं। उनके पास कुलपति बनने के लिए आवश्यक अनुभव या योग्यता नहीं है। 2008 में पीएचडी करने के बाद 2009 में प्रोफेसर बन जाना और फिर इतने कम अनुभव के बावजूद कुलपति बन जाना अपने आप में एक बड़ा सवाल है।

48 घंटे का अल्टीमेटम और उग्र आंदोलन की चेतावनी- एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सचिन रजक ने कहा, कुलपति ने पैसे देकर यह पद हासिल किया है, जो संस्कारधानी को शर्मसार करता है। अगर 48 घंटे के भीतर उनकी नियुक्ति की जांच नहीं की गई और इस्तीफा नहीं दिया गया, तो एनएसयूआई विश्वविद्यालय में उग्र प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई के पास कुलपति की नियुक्ति से जुड़े कई दस्तावेज हैं, जिन्हें जल्द ही पत्रकार वार्ता में सार्वजनिक किया जाएगा।

कुलपति बोले- नियुक्ति यूजीसी से हुई है, पहले जानकारी लें- एनएसयूआई के आरोपों पर कुलपति डॉ. राजेश वर्मा ने कहा कि उनकी नियुक्ति शासकीय अधिनियम और राज्यपाल द्वारा की गई है। उन्होंने कहा, प्रदर्शनकारियों को पहले नियम और प्रक्रिया की जानकारी लेनी चाहिए। यूजीसी रेगुलेशन एक्ट के तहत मेरी नियुक्ति हुई है। यदि किसी को आपत्ति है, तो हाईकोर्ट या राज्यपाल कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

2002 से ही पीएम मोदी के खिलाफ हो रही है साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बिजनेसमैन गौतम अडानी को लेकर कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया और कांग्रेस

- विश्वसनीयता खत्म करने की कोशिश में हैं राहुल और सोनिया
- अडानी केस में बीजेपी का पलटवार कहा-वहां कांग्रेस की सरकार थीं

नेता राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि मां (सोनिया गांधी), बेटा और उनकी पार्टी 22 साल से मोदी की विश्वसनीयता समाप्त करने की चेष्टा कर रहे हैं लेकिन जनता की नजर में मोदी की विश्वसनीयता बढ़ती ही जा रही है। भाजपा के प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए कहा

कि अमेरिका में जिस मुकदमे की बात हो रही है, उसमें कानूनी प्रावधानों के उल्लंघन आदि के आरोपों पर उद्योग समूह जवाब देगा, लेकिन जो आरोप प्रधानमंत्री और सरकार पर लगाए हैं, उनको लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस को इस मामले को अदालत में ले जाने की चुनौती दी।

कोहरे के साए में चार राज्य

- जयपुर में दिन में भी धुंध, दो दिन के लिए स्कूल बंद
- कश्मीर के शोपियां में तापमान गिरा,एमपी में बढ़ी ठंड

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान, मध्यप्रदेश समेत देश के 4 राज्यों के कई जिलों में घने कोहरे का अलर्ट है। जयपुर में दिन में भी धुंध नजर आई। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए खैरथल-तिजारा जिले के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 23 नवंबर तक छुट्टी कर दी गई है। मध्यप्रदेश में भोपाल-इंदौर समेत 28 शहरों में टेम्प्रेचर सामान्य से नीचे आ गया। उत्तर भारत के राज्यों दिल्ली, पंजाब और चंडीगढ़ में प्रदूषण बढ़ गया है। पंजाब के 5 जिले ऐसे हैं जहां प्रदूषण का स्तर सामान्य से 4 गुना ज्यादा है। दिल्ली और हरियाणा के कई स्कूलों को ऑनलाइन कर दिया गया है। उधर पहाड़ों में बर्फबारी नहीं होने के बावजूद श्रीनगर में तापमान 0.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। शोपियां देश का सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान माइनस 3.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं अनंतनाग में माइनस 3.5 डिग्री, पुलवामा में माइनस 3.4 डिग्री पहुंचा। दक्षिण भारत के राज्यों में ठंड का असर उत्तर भारत के राज्यों से कम है। मौसम विभाग ने यहां बारिश का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल के अलावा गुरुवार को असम और मेघालय में बारिश का अनुमान है।

मणिपुर में बिगड़े हालात को संभालने पहुंची सेंट्रल फोर्स

- आठ और कंपनियां पहुंचीं, एक कंपनी महिला बटालियन की
- मणिपुर कांग्रेस की खड़गे को चिट्ठी-चिदंबरम पर ऐक्शन लें

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा बढ़ने के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 8 और कंपनियां बुधवार को राजधानी इंफाल पहुंच गईं। एक दिन पहले ही केंद्रीय सशस्त्र बल की 11 कंपनियां मणिपुर पहुंची थीं। अधिकारियों के मुताबिक एससीबी और सीआरपीएफ की चार-चार कंपनियों को राज्य के संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात किया जाएगा।

एससीबी की इन कंपनियों में से एक महिला बटालियन की है। केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की थी कि मणिपुर में सीआरपीएफ की 50 नई कंपनियां तैनात की जाएंगी। राज्य कांग्रेस की अपील-चिदंबरम पर कार्रवाई करें खड़गे मणिपुर कांग्रेस ने बुधवार को पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से विवादास्पद पोस्ट करने वाले पी चिदंबरम के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है। चिदंबरम ने क्षेत्रीय स्वायत्तता की वकालत की थी। खड़गे को लिखे लैटर में नेताओं ने कहा, पी चिदंबरम के पोस्ट की हम निंदा करते हैं। राज्य में बढ़ते तनाव, सार्वजनिक शोक और राजनीतिक संवेदनशीलता के मौजूदा माहौल को देखते हुए भावनाएं अनुचित थीं।

तीन घंटे से ज्यादा लेट है फ्लाइट तो रद्द कर दो

- यात्री सुरक्षा पर ध्यान दो, सभी एयरलाइंस को सरकार का सख्त निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने बुधवार को एयरलाइंस को कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने कोहरे के कारण संभावित देरी या रद्द उड़ानों के बारे में यात्रियों को समय पर जानकारी देने और तीन घंटे से अधिक देरी होने पर उड़ानें रद्द करने के

निर्देश दिए। उन्होंने यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण और यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली हवाई अड्डे पर चार में से तीन रनवे पर नए सिस्टम सक्रिय कर दिए गए हैं, जो अत्यधिक खराब दृश्यता (विजिबिलिटी) की स्थिति में भी सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करता है।

पाक के खैबर पख्तूनख्वा में भीषण हमला, 39 की मौत

दूसरे दिन भी आतंकियों ने लोगों को गोलियों से भूना, मचा कोहराम

कुर्रम (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा जिले के कुर्रम में भीषण आतंकवादी हमला हुआ है। आतंकवादियों ने कुर्रम के ओचट इलाके में कई यात्री वाहनों पर गोलीबारी की, जिसमें अब तक 39 लोगों के मारे जाने की खबर है।

मृतकों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन खोरसान डायरी की रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों में 14 यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। इससे मरने वालों की तादाद और ज्यादा बढ़ सकती है। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस और सेना ने रास्ते को खाली करा लिया है

और राहत-बचाव कार्य जारी है।

कुर्रम पुलिस ने कहा कि पाराचिनार से पेशावर जा रहे काफिले को निशाना बनाकर हमला किया गया। इस हमले में लोगों की मौतें हुई हैं। कुर्रम जिले में कई महीनों से विभिन्न जनजातियों और दलों के बीच संघर्ष चल रहा है। इन संघर्षों में दर्जनों लोगों की जान जा चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा के लिए दीं शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की आध्यात्मिक पदयात्रा के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पष्टवादिता पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की विशेषता है। वे सनातन संस्कृति के उत्थान के उद्देश्य से यात्रा पर निकले हैं। प्रसन्नता का विषय है कि पदयात्रा के माध्यम से क्षेत्र में जन-जन को उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त होगा।

उल्लेखनीय है कि बागेश्वर धाम के प्रमुख पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 21 नवंबर से सनातन के जागरण के लिए बागेश्वर धाम से पद यात्रा आरंभ कर रहे हैं। यह यात्रा 160 किमी की होगी जो 29 नवंबर को ओरछा धाम पहुंचेगी। सनातन का जागरण और जातीय भेदभाव, छुआछूत एवं अगड़े-पिछड़े का भेद मिटाना और सामाजिक एकता को प्रोत्साहित करना पदयात्रा का उद्देश्य है।

सीबीएसई परीक्षाएं 15 फरवरी से, 4 अप्रैल तक चलेंगी

10वीं-12वीं की डेटशीट जारी; पिछली बार 30वें नंबर पर था एमपी

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार देर रात 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की तारीखों का ऐलान कर दिया। परीक्षाएं 15 फरवरी से होंगी। 10वीं की परीक्षा 18 मार्च तक और 12वीं की परीक्षा 4 अप्रैल तक चलेंगी। पिछले परिणाम छह महीने पहले ही आए थे। इसमें मध्यप्रदेश देश में 30वें नंबर पर था। दोनों ही कक्षाओं में प्रदेश में लड़कियों ने बाजी मारी थी।

सीबीएसई बोर्ड के जिम्मेदारों के मुताबिक, पहली बार परीक्षा से 86 दिन पहले डेट शीट जारी की गई है। इसकी वजह है कि इस बार स्कूलों ने समय से एलओसी यानी लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स भरी है।

अंग्रेजी से शुरू होगी 10वीं की परीक्षा

10वीं क्लास के लिए पहला एग्जॉम अंग्रेजी का होगा। साइंस का एग्जाम 20 फरवरी को होगा। इसमें सिर्फ एक दिन की छुट्टी दी गई है। वहीं, सोशल साइंस का एग्जाम 25 फरवरी को होगा। 10वीं के स्टूडेंट्स के लिए आखिरी एग्जाम 18 मार्च को कम्प्यूटर एप्लिकेशन्स, आईटी या एआई का होगा।

एमपी के नए डीजीपी के लिए तीन नामों का पैनल

कैलाश मकवाना, अरविंद कुमार और अजय शर्मा में से होगा पुलिस का नया मुखिया

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के डीजी रैंक के सीनियर आईपीएस कैलाश मकवाना, अरविंद कुमार और अजय शर्मा में से कोई प्रदेश पुलिस का नया मुखिया बन सकता है। दरअसल, एमपी

कैलाश मकवाना | अरविंद कुमार | अजय शर्मा

के नए डीजीपी को लेकर गुरुवार को दिल्ली में बैठक हुई। जिसमें प्रदेश सरकार की ओर से भेजे गए 9 नामों पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि बैठक में 3 नामों का पैनल तैयार किया गया है। इनमें से किसी एक को मोहन सरकार डीजीपी नियुक्त करेगी।

दिल्ली में हुई मीटिंग में यूपीएससी के प्रतिनिधि, केंद्रीय गृह मंत्रालय का एक प्रतिनिधि, एमपी के मुख्य सचिव, वर्तमान डीजीपी शामिल हुए। बता दें कि मध्यप्रदेश के वर्तमान डीजीपी सुधीर सक्सेना का कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म हो रहा है। एक दिसंबर को नए डीजीपी चार्ज लेंगे।

ड्रग कानून प्रवर्तन के लिए भोपाल में चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

भोपाल (नप्र)। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के तत्वावधान में आज केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी ,भोपाल में ड्रग कानून प्रवर्तन के लिए चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व डीजीपी और सीबीआई के पूर्व निदेशक श्री ऋषि कुमार शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

उद्घाटन भाषण में श्री शुक्ला ने नार्को समन्वय केंद्र कार्यक्रम के तहत आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने डिजिटल युग में ड्रग तस्करी द्वारा उत्पन्न बहुआयामी चुनौतियों का सामना करने के लिए कानून प्रवर्तन, नियामक निकायों और संबंधित संगठनों के प्रमुख हितधारकों को एकजुट करने में इस विशेष सम्मेलन की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अकादमी के निदेशक श्री अनिल किशोर यादव, (आईपीएस) ने सम्मेलन की थीम, 'डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और मनी लॉन्ड्रिंगः ड्रग तस्करी की चुनौतियों का त्रिकोण और व्यापक रोकथाम और पुनर्वास की आवश्यकता' के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे ये डिजिटल चुनौतियाँ ड्रग तस्करी की जटिलता को बढ़ाती हैं। उन्होंने ड्रग तस्करी की रोकथाम, पुनर्वास और प्रवर्तन के लिए सहयोगी एवं कार्रवाई योग्य रणनीतियों के महत्व पर जोर दिया।

सम्मेलन सचिव श्री बीके शर्मा, एसपी/सहायक निदेशक ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और सम्मेलन में विविध प्रतिनिधित्व पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में बीएसएफ, तटरक्षक बल, सीआईएसएफ, एसएसबी, एनसीबी, असम राइफल्स, आरपीएफ, सीबीआई, एनआईए, आईबी, एसपीजी, डीआरआई, एनएसीआईएन, ईडी और एफआईयू जैसे प्रमुख संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुये। साथ ही राज्य एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) भी सम्मेलन में प्रतिभागी के रूप में शामिल हुई। अन्य प्रमुख प्रतिभागियों में भारत के नारकोटिक्स आयुक्त, यूएनओडीसी, अग्रणी गैर सरकारी संगठन और संबद्ध संगठनों के प्रतिनिधि भी यहां मौजूद रहें।

सम्मेलन में विशेषज्ञ प्रस्तुतियाँ और संवादात्मक चर्चाएं होंगी, जो नशीली दवाओं की तस्करी में डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और मनी लॉन्ड्रिंग के उपयोग जैसी उभरती चुनौतियों पर केंद्रित होंगी। सत्रों का उद्देश्य मजबूत इन्टर एजेंसी सहयोग को बढ़ावा देना और समग्र दृष्टिकोण विकसित करना है, जो प्रवर्तन को पुनर्वास और रोकथाम के साथ एकीकृत करता है।

मेरे बेचैन मन का रचनात्मक सुकून बन गये ये साक्षात्कार

कला समीक्षक विनय उपाध्याय की किताब 'सफ़ह पर आवाज़' के साथ क्लब लिटराटी का रोचक सत्र

भोपाल (नप्र)। संवाद, साक्षात्कार और शास्त्रार्थ की परंपरा से भारत में अनुभव और ज्ञान की नई दिशाएँ खुली हैं। मेरे आकुल और बेचैन मन में उभरे प्रश्न भी ऐसी ही बेशकीमती रचनात्मक संपदा को संजोने का जरिया बने। 'सफ़ह पर आवाज़' साहित्य और कला की चालीस मकबूल शख्सियतों से मेरी लंबी वार्ताओं का दस्तावेज़ बन गया।

क्लब लिटराटी की संवाद श्रृंखला के अंतर्गत प्रसिद्ध कला समीक्षक, लेखक और उदघोषक विनय उपाध्याय की बहुचर्चित पुस्तक 'सफ़ह पर आवाज़' पर विवेकानंद लाइब्रेरी में बुधवार को रोचक चर्चा हुई। 'यादें...बातें' शीर्षक इस आयोजन में पत्रकार और लेखिका शिफाली पाण्डे तथा विनय उपाध्याय ने सवाल-जवाब के बीच मकबूल शख्सियतों के सफ़रनामे और उनके दुर्लभ घटना-प्रसंगों को तफसील से खुलासा किया।

गोपालदास नीरज, महाश्वेता देवी, चित्रा मुद्गल, सैयद हैदर रज़ा, जावेद अख्तर, हबीब तनवीर, पं. शिवकुमार शर्मा, किशोरी आमोणकर, गिरिजा देवी, नौशाद, मोहन आगाशे और आशुतोष राणा से लेकर भज्जू श्याम तक विभिन्न विधाओं की विभूतियों के साक्षात्कार इस किताब में संकल्पित हैं। इन साक्षात्कारों से गुजरना कला, साहित्य और संस्कृति के वाद-विवाद और संवाद से अंतरंग होना है। यह किताब साक्षात्कार कला-कौशल का मानक दस्तावेज़ है।

क्लब लिटराटी की प्रमुख डॉ. सीमा रायजादा ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण और उपयोगी बताया। संवाद के उपरांत पुस्तक प्रेमियों ने 'सफ़ह पर आवाज़' को विनय

उपाध्याय के दस्तख़त के साथ प्राप्त किया।

शिफाली के सवाल के जवाब में विनय ने बताया कि संवादों की इस बस्ती में शब्द हैं, स्वर हैं, लय, छवि, रंग और बिंब हैं। इस किताब में बहस है, बेबाकी है, सपने हैं, संवेदना है। खुशियाँ और खामोशियाँ हैं। गर्व और रोमांच है। सबक और प्रेरणाएँ हैं, तो मंसूबे और मलाल भी हैं।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में विनय ने कहा कि उत्तर तो इस संसार में हमेशा से मौजूद हैं, प्रश्नों को उनके पास ठीक से जाने की ज़रुरत हुआ करती है। यही वो प्रेरणा थी जिसने मेरे भीतर संवाद की ललक पैदा की। पत्रकारिता की पेशेगत ज़रुरत, अभिरुचि और चुनौती के चलते भी अनेक अवसर और संयोग बने। अनेक सभा समारोहों का उदघोषक होने के नाते भी कई विभूतियों का निकट सानिध्य मुझे मिला। उपाध्याय ने कहा कि साहित्य, संगीत, नाटक, चित्रकला, नृत्य, सिनेमा सहित सृजन की अन्य विधाओं के मर्म को समझने की दिशाएँ इन संवादों में खुलीं। ये साक्षात्कार अनेक सवालों और विमर्श की खिड़कियाँ खोलते हैं। हमारे समय में क्या और कैसा सांस्कृतिक हस्तक्षेप है? नई चुनौतियाँ क्या हैं? इन सर्जकों के अपने संघर्ष क्या हैं? इसे कई सवालों के आसपास गहराता विमर्श, सिर उठाती बहसें, रचनात्मक स्पर्धाएँ और नैतिकता के तकाजे भी इन संवादों में उभरकर सामने आए जो आज के सांस्कृतिक पर्यावरण की तस्दीक करते हैं।

विनय ने अपनी बातचीत के सिलसिले में जोड़ा कि इन साक्षात्कारों में तारीख़ों में लौटती और समय को पुकारती आवाज़ें हैं। यहाँ बहुत सारा अनकहा-अनछुआ, नायाब और दुर्लभ बखान है जिसे जोड़कर भारत की ज्ञान परंपरा के मौखिक और लिखित आयामों में मानवीय सरोकारों तथा जीवन के ललित पक्षों का दार्शनिक और व्यावहारिक सच उदघाटित हुआ है।

विनय उपाध्याय ने कहा कि भारत में महान साक्षात्कारों, संवादों और शास्त्रार्थ की परंपरा रही है। यहीं से ज्ञान और कौशल की नई दिशाएँ खुली है।

विनय से प्रश्नों के ज़रिए पेश आ रही मॉडरेटर शिफाली ने अपनी ओर से किताब के पहलु खुलासा करते हुए बताया कि 'सफ़ह पर आवाज़' विनय उपाध्याय की सुदीर्घ साधना का एक हिस्सा भर नहीं है। ये वो संदर्भ ग्रंथ है जिसके जरिए आने वाली पीढ़ियाँ हमारे समय की कला-साहित्य के मनीषियों को संवाद के जरिए जान सकती है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने उज्जैन में मंगलनाथ भगवान का अभिषेक किया।

भोपाल में बनेगी म.प्र.की पहली हाईटेक गौशाला

सीएम डॉ. यादव 23 नवंबर को करेंगे भूमिपूजन; 10 हजार गोवंश को रखने की कैपेसिटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल से 20 किलोमीटर दूर बरखेड़ी डोब में जिले की सबसे बड़ी गोशाला बनेगी। इसमें एक साथ 10 हजार गोवंश रखे जा सकेंगे। 23 नवंबर को सीएम डॉ. मोहन यादव भूमि पूजन करेंगे। गुरुवार को विधायक रामेश्वर शर्मा, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने गौशाला का निरीक्षण भी किया। हाईटेक गोशाला में ही

चिकित्सा वार्ड भी बनेगा। यहां गोवंश का इलाज भी हो सकेगा। यह 25 एकड़ में बनेगी। इस गोशाला को हाईटेक बनाया जाएगा। इसमें सीसीटीवी कैमरों सहित वे सभी आवश्यक संसाधन होंगे, जो सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी हैं। इसकी लागत 10 करोड़ रुपए आएगी।

गो मूत्र-गोबर से खाद बनाने के लिए लगेगी यूनिट- पहले फेज में 2 हजार गायों की क्षमता वाले क्षेत्र का निर्माण तेजी से प्रारंभ करने की योजना बनाई गई है। गोशाला में हरा चारा, भूसा और पशु आहार की सप्लाई के लिए अत्याधुनिक कन्वेयर बेल्ट सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा। लगभग 15 करोड़ रुपए से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और जिला पंचायत गोशाला का निर्माण करेगी। संचालन नगर निगम करेगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि, गोशाला में गायों के गोबर और मूत्र से जैविक खाद और अन्य सामग्री तैयार करने के लिए एक यूनिट भी लगाई जाएगी।

कलेक्टर ने कराया था सर्वे, सड़कों पर मिले थे 5 हजार मवेशी

करीब ढाई महीने पहले कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एक सर्वे कराया था। इसमें सड़कों पर आवारा मवेशी पाए गए थे। सर्वे में सड़कों पर 200 जगहों पर मवेशियों का डेरा दिखा, जिनकी कुल संख्या 6,000 के करीब थी। अयोध्या बायपास, कोलार रोड, रायसेन रोड, अशोका गार्डन, रातीबड़, नेहरू नगर, कोटरा, बैरागढ़ और हमीदिया रोड पर बड़ी संख्या में मवेशी सड़कों पर नजर आए थे। बारिश के दौरान सड़कों पर मवेशियों की संख्या बढ़ने से नगर निगम की टीमें उन्हें पकड़कर बाहर खदेड़ रही थीं।

निगम के पास पर्याप्त इंतजाम नहीं, इसलिए सड़कों पर मवेशी

भोपाल में 6 से ज्यादा स्थानों पर गोशालाएं हैं, जिनमें कुछ की क्षमता 50 तो कुछ की 100 मवेशियों की है। पूरे शहर से पकड़े गए मवेशियों की किस गोशाला में देखभाल हो रही है, इसकी मॉनिटरिंग नहीं होती। इस वजह से कई बार मवेशी मालिक भी मवेशियों के लिए भटकते रहते हैं।

भारत को शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में एनसीसी का महत्वपूर्ण योगदान : स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

भोपाल में मनाया गया एनसीसी का 76वां स्थापना दिवस

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि भारत को शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। एनसीसी संगठन स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों और युवाओं को अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने का लगातार काम कर रहा है। एनसीसी ने विद्यार्थियों के मन में राष्ट्रीय एकता,

अखण्डता, साम्प्रदायिक सौहार्द्र, समाज सेवा, अनुशासन के साथ देशभक्ति के संस्कार विकसित किये हैं। मंत्री श्री सिंह आज भोपाल के शौर्य स्मारक में एनसीसी के 76वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि देश में उच्च पदों पर अनेक विभूतियां हैं, जो देश निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। इन सबका संबंध अपने युवा काल में एनसीसी से रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्कूल शिक्षा के दौरान एनसीसी से जुड़े रहे। एनसीसी के आयोजन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने में अहम कार्य कर रही है। एनसीसी से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़कर हम प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को पूरा कर सकते हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की हुई प्रस्तुतियां

एनसीसी के स्थापना दिवस पर कैडेट्स ने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ अंचल की जनजातीय लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां दी। भोपाल के कॉर्मेल कान्वेन्ट की छात्राओं ने अनुशासित तरीके से ब्रास बैण्ड पर मधुर ध्वनि प्रस्तुत की। इसी के साथ कैडेट्स ने एनसीसी गान और राष्ट्रगान भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन पर डिप्टी डायरेक्टर जनरल मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ ब्रिगेडियर रजनीश सिंह गौर ने बताया कि प्रदेश में युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिये कैडेट ट्रेनिंग अकादमी की स्थापना प्रस्तावित है। वहां भूमि आवंटित हो गयी है। शीघ्र ही वहां भवन निर्माण कार्य शुरू किया जायेगा। इसके साथ ही कैडेटस् के स्वल्पाहार भत्ता और कैम्प में शामिल कैडेट्स के आवासीय भत्ते में भी वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में एनसीसी कैडेटस् की संख्या को बढ़ाने के प्रयास लगातार किये जा रहे हैं। इस मौके पर एनसीसी कैडेट्स ने शिविर में रक्तदान किया।

भोपाल के थानों में बनेंगी साइबर हेल्प डेस्क

पांच लाख रुपए तक की शिकायत थानों में ही दर्ज करा सकेंगे लोग

भोपाल (नप्र)। भोपाल पुलिस सभी थानों में एक दिसंबर से साइबर हेल्प डेस्क की शुरुआत करने जा रही है। जिससे साइबर ठगी के शिकार लोगों को अब भटकने की जरूरत नहीं होगी। पांच लाख रुपए तक के फ्रॉड की शिकायत थानों में ही दर्ज की जाएगी।

साइबर अपराधियों से किस तहर निपटना है। साइबर फ्रॉड की शिकायत मिलते ही किस तरह कार्रवाई करना है। इन तमाम बारिकियों को लेकर शहर के सभी थानों प्रभारियों की ट्रेनिंग भी शुरू कर दी गई है। तीन दिवसीय इस टैनिंग की शुरुआत गुरुवार को भोपाल के पुलिस कंट्रोल रूम में की गई। डीसीपी क्राइम अखिल पटेल ट्रेनिंग देने का काम कर रहे हैं। पुलिस कमिश्नर हरीनारायणचारी मिश्रा ने बताया कि साइबर क्राइम इन दिनों बड़ी चुनौती बन चुका है। इसे ध्यान में रखते हुए गुरुवार को जिला पुलिस ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत की गई है। जिसमें सभी सीनियर अधिकारियों सहित शहर के सभी थाना प्रभारियों को साइबर अपराधों से जुड़ी बारिकीयों की जानकारी दी जा रही है। जिसमें खास तौर पर साइबर क्राइम के नए ट्रेंड, किस तरह के साइबर टूल्स का इस्तेमाल करना है, फोरेंसिक टूल का किस तरह से इस्तेमाल करना है।

'चारूकेशी' की सोहबत में गा उठा उस्ताद का सितार

भोपाल (नप्र)। फ़न और फ़नकार का करिश्माई हुनर हो तो साज़ के बेज़ुबान तारों में भी अहसासों की सतरंगी आवाज़ों को सुना जा सकता है। उस्ताद शाहिद परवेज़ सितार की ऐसी ही बेमिसाल शिरकत लिए रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की बारादरी में पेश आए। सुरों की ये महफिल सजाई स्पिक मैके के मध्यप्रदेश चेप्टर ने टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के साथ मिलकर। तंत्रकारी और गायकी अंग को साधते उस्ताद परवेज़ की रागदारी का खुमार सुनने वालों की रूह में उतरता गया।

● आरएनटीयू में सजी शाहिद परवेज़ की महफिल

कभी दम साधकर तो कभी तालियों की गड़गड़ाहट के बीच श्रोताओं ने उस्ताद को नवाज़ा।

शारदा सभागार के गरिमामय मंच पर शाहिद परवेज़ का टैगोर प्रतिमा तथा विश्वरंग के कलात्मक दस्तावेज़ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एजीयू निदेशक तथा आरएनटीयू की प्रति कुलाधिपति डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, संगीत मनीषी पंडित किरण देशपाण्डे, अटल इंक्यूबेशन सेंटर के निदेशक नितिन वत्स, प्रति कुलपति डॉ. संगीता जौहरी तथा टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक विनय उपाध्याय विशेष रूप से उपस्थित थे।

उस्ताद शाहिद परवेज़ के सितार को सुनना इटावा घराने की सुरीली विरासत के रूबरू होना है। सुरों की नई अनुगूँजों के बीच संगीत के नए जादुई असर को महसूसना है। 'झंकार' की इस महफिल में सितार वादन के लिए उस्ताद परवेज़ ने दक्षिण भारत में विशेष प्रचलित राग 'चारूकेशी' का चयन किया। विलंबित आलाप जोड़ और झाला में उन्होंने राग का मिज़ाज़ तैयार किया। मीड़ की मिठास और गमक भरी तानों की खूबसूरत रवानगी लिए तिहाई और सम का दिलकश ताना-बाना नौजवान श्रोताओं पर गहरा असर कर गया। बेसाख्ता तालियों से छात्र-छात्राओं ने उस्ताद को नवाज़ा। दस मात्रा की झयताल का बहुत संयमित प्रवाह लिए तबले पर संगत कर रहे उन्मेष बैनर्जी ने लय-ताल का समां बांधा। कद्रदानों से मिली इस मोहब्बत और मान का भरे दिल से शुक्रिया अदा करते हुए शाहिद परवेज़ ने संवाद का सिलसिला भी बनाया। उन्होंने कहा कि मेरी संगीत की यायावरी में आरएनटीयू की ये महफिल हमेशा मेरी यादों में बसी रहेगी।

महफिल का समापन शाहिद परवेज़ ने राग खमाज और पहाड़ी की धुन बजाकर किया। तबले पर कहरवा का ठेका लगाते हुए उन्मेष ने मौसिकी के इस मंज़र को और भी खूबसूरत बना दिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विनय उपाध्याय ने उस्ताद और भोपाल की कई अनछुई यादें साझा की। बताया कि 18 बरस के नौजवान शाहिद परवेज़ ने रबीन्द्र भवन के मंच पर 'युवा खोज समारोह' में सितार वादन किया था। कार्यक्रम अभिनव कला परिषद का था। तब का यह उभरता कलाकार आज संगीत का रौशन सितारा है।

विदा होने से पहले उस्ताद ने श्रोताओं के सवालों के बेहद संजीदगी से भरे जवाब दिए। उन्होंने कहा कि यह धारणा ग़लत है कि अनूठा प्रयोग करने के लिए परंपरा को त्यागना ज़रूरी है। हमारा संगीत इतना गहरा, विस्तृत और बहुरंगी है कि परंपरा की सरहद में रहकर भी अद्वितीय रचा जा सकता है। परवेज़ ने फ्यूज़न पर अपनी टिप्पणी में कहा कि मेलोडी और फीलिंग के बिना ग्लेमर के नाम पर जो कुछ भी बाज़ार में परोसा जा रहा है, वह ज़्यादा दिन वजूद में नहीं रहता है। किसी दिन अचानक सुनने वाले उसे चलन से बाहर कर देते हैं।

संपादकीय

फिर मुश्किल में अडाणी

अक्सर विवादों में और विपक्षी नेता राहुल गांधी के निशाने पर रहने वाले भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी इस बार बड़ी मुश्किल में फंसे हैं। अमेरिका में न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में हुई सुनवाई में गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों की धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोप लगे हैं। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस का कहना है कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे हैं। हालांकि अडाणी की ओर से इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा गया है कि इसका जवाब कोर्ट में दिया जाएगा। यह पूरा मामला अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ है। 24 अक्टूबर 2024 को यह मामला कोर्ट में दर्ज किया गया, जिसकी सुनवाई बुधवार को हुई। अडाणी के अलावा शामिल 7 अन्य लोग सागर अडाणी, विनीत एस जैन, रंजीत गुप्ता, साइरिल कैबेनिस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल हैं। अडाणी पर आरोप है कि रिश्वत के इन पैसों को जुटाने के लिए अमेरिकी, विदेशी निवेशकों और बैंकों से झूठ बोला। सागर और विनीत अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के अधिकारी हैं। सागर, गौतम अडाणी के भतीजे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम अडाणी और सागर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है जब अडाणी पर अवैध तरीके से ठेके हासिल और कारोबार करने के आरोप लगे हैं। लेकिन बताया जाता है कि इस बार मय सबूतों के ये आरोप लगाए गए हैं। लिहाजा भारत के सबसे अमीर व्यक्तियों में एक 62 वर्षीय गौतम अडाणी के लिए बहुत बड़ा झटका है। उनका व्यापारिक साम्राज्य बंदरगाहों और हवाई अड्डों से लेकर ऊर्जा सेक्टर तक फैला हुआ है। पीएम मोदी से अपनी करीबी के कारण भी वो निशाने पर रहते हैं। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया कि अदानी और उनकी कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी अक्षय ऊर्जा (रिन्यूल एनर्जी) कंपनी को कॉन्ट्रेक्ट दिलाने के लिए भारतीय अधिकारियों को भुगतान करने पर सहमति जताई थी। इस कॉन्ट्रेक्ट से कंपनी को आने वाले 20 सालों में दो अरब डॉलर से अधिक के मुनाफ़ा होने की उम्मीद थी। गौरतलब है कि अडाणी समूह पिछले साल से ही अमेरिका में शक के घेरे में है। उस साल हिंडनबर्ग नाम की कंपनी ने अडाणी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। उसके बाद अडाणी की कंपनियों के शेयर धड़ाम से गिर गए थे। तब भी अडाणी ने हिंडनबर्ग की नीयत पर सवाल खड़े किए थे। अभियोजकों ने कहा है कि इस मामले की जांच साल 2022 में ही शुरू कर दी गई थी। आरोप है कि इनके प्रबंधकों ने क़र्ज़ और बॉन्ड्स के रूप में तीन अरब डॉलर जुटाए। इसमें कुछ धन अमेरिकी फर्म्स से भी जुटाया गया था। ये पैसे रिश्वत विरोधी नीतियों के खिलाफ़ और भ्रामक बयानों के ज़रिए जुटाए गए। भारत में ऐसे आरोपों को शायद बहुत गंभीरता से नहीं लिया जाता, लेकिन अमेरिका में असाधारण और संजीदा मसला है। बेशक वहां बड़े कारपोरेट कारोबार बढ़ाने के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन रिश्वतखोरी और नियम कायदों को धता बता कर अनैतिक तरीके से व्यवसाय बढ़ाना बहुत गंभीर बात है। अगर अडाणी के खिलाफ सबूत पुख्ता हुए और न्यूयॉर्क की अदालत ने सजा सुनाई तो अडाणी समूह की साख बहुत गिर सकती है। उनके कारोबारी साम्राज्य पर गहरी आंच आ सकती है। साथ ही उसके छींटे प्रधानमंत्री पर भी पड़ सकते हैं। बहरहाल मामला कोर्ट में है। वहां भारत की तरह हर चीज 'मैनेज' करना आसान नहीं है।

यूक्रेन-रूस युद्ध: खौफ के हजार दिन

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। संप्रति पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के डॉ. आंबेडकर चेयर में चेयर प्रोफेसर हैं।

युद्ध आम नागरिक की एक अनचाही विभीषिका है. उसे असंख्य लोग न चाहते हुए झेलते हैं. यह युद्ध अति संवेदनशील विषय तब बन गया है जब इस पृथ्वी पर हज़ार दिन से दो देश युद्ध कर रहे हैं. दो देशों की मनमानी से यह सहस्र दिन से चल रहा युद्ध वैश्विक स्तर पर प्रतिरोध की मांग कर रहा है. एक ऐसी मांग जो अहिंसक हो और दोनों देशों को इसे समाप्त करने के लिए विवश करे.

हज़ार दिन में लाखों समस्याओं, गतिरोधों और जोखिमों से गुजरते हुए यूक्रेन और रूस के नागरिकों के बारे में सोचकर ही यह प्रश्न मन में आता है की वे कैसे दुर्भाग्यपूर्ण लोग हैं जो ऐसी त्रासदी का सामना कर रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र के आंकड़े बहुत चौकाने वाले हैं. व्यापक मौतों, तबाही और हताशा के 1,000 दिन, जोकि लाखों यूक्रेनी नागरिकों के लिए बदस्तूर जारी हैं. अब तक, कम से कम 12 हज़ार 164 आम लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 600 से अधिक बच्चे हैं. 26 हज़ार से अधिक घायल हुए हैं, लेकिन हताहतों का वास्तविक आँकड़ा इससे कहीं अधिक होने की आशंका है. यह आंकड़ा पूरे विश्व के लिए चुनौती है और साथ ही यह एक ललकार है की संयुक्त राष्ट्र व मानवतावादियों की पुकार के बाद भी हम नहीं मानेंगे और युद्ध करते रहेंगे.

यूक्रेन पर रूसी सैन्य बलों के आक्रमण को एक हज़ार दिन पूरे हो रहे हैं, यह कहना ठीक नहीं है. दोनों देश युद्ध के जिम्मेदार हैं. दुनिया के कुछ देश यह कह रहे हैं की यह आक्रमण केवल रूस की ओर से हुआ है और जिम्मेदार है. हाँ, यह कहा जा सकता है की युद्ध के लिए ज्यादा जिम्मेदार रूस हो सकता है. मगर इन दोनों देशों में लाखों नागरिक अब भी व्यापक पैमाने पर मौतों, विध्वंस और हताशा से जूझ रहे हैं, उनका क्या? संयुक्त राष्ट्र में राजनैतिक एवं शांति निर्माण मामलों के लिए प्रमुख रोज़मैरी डीकार्लो ने सोमवार को सुरक्षा परिषद की बैठक को सम्बोधित करते हुए हिंसक टकराव का अन्त करने के लिए राजनैतिक इच्छाशक्ति व एकजुट प्रयासों का आग्रह किया है. उनका मानना है कि रूसी महासंघ ने फ़रवरी 2022 में पूर्ण स्तर पर यूक्रेन पर यह आक्रमण, संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का खुलेआम उल्लंघन करते हुए किया था इसलिए वह जिम्मेदार है. एक हज़ार दिन बीत चुके हैं, यह युद्ध जारी है, बिना रुके. घातक लड़ाई पूर्वी व दक्षिणी यूक्रेन के ज़्यादा से ज़्यादा हिस्सों को अपने लपेटे में ले रही है.

यूक्रेन के लिए यह अच्छी बात यह रही है कि वह विक्टिम होने का सबसे ज्यादा फायदा लिया है. यदि यूक्रेनी जनता भारी संख्या में मारी जा रही है तो उसे ही अपनी जनता के बारे में सबसे पहले चिंतित हिना चाहिए न की अपनी संप्रभुता के लिए. राज्यों के लिए संप्रभुता इतनी मायने रखती है और नागरिक का

कोई महत्व नहीं होता. यह राज्यों के बारे में निःसंदेह शर्मनाक है और नागरिकों की गरिमा व सुरक्षा न कर पाने में उनका एक हिंसक चेहरा है. विश्व के बहुत से देश युद्ध में अपनी संप्रभु-सत्ता के साथ समझौता नहीं करते और नागरिकों, सैनिकों का बलिदान कर देते हैं. लाखों-करोड़ों नागरिकों के स्वप्न इसमें मारे जाते हैं और विश्व में अपने जनहितकारी होने का दावा भी करते रहते हैं देश. ऐसे देशों के बारे में जब भी विश्लेषण किया जायेगा उन्हें मानवीय देश तो नहीं कहा जा सकेगा क्योंकि उनके लिए नागरिक की जगह उनकी सीमाओं का परिक्षेत्र, उनके अपने नेशन होने के गुमान रहे और नागरिक उनके गुमानों, अभिमानों और व्यवस्था के निर्णयों में दब गए.

यूएनएचआरसी का दावा है कि 67 लाख लोगों ने भागकर, अपने देश से बाहर शरण ली है. यूएन की शरणार्थी और प्रवासन एजेंसियाँ, विस्थापित लोगों को सुरक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रही हैं. यूनीसेफ का दावा है कि 2000 से अधिक बच्चे या तो इस युद्ध में मारे जा चुके हैं, या हताहत हैं. जिसमें शिक्षा, मनोसामाजिक समर्थन व बारूदी सुरंगों से बचने की जानकारी शामिल भी मिली है

अब आप सोचिये भागे हुए लोगों के साथ भागते हुए बच्चे यूक्रेन की संप्रभुता के लिए जिम्मेदार हैं या रूस के. इन देशों में जन्म लेना क्या इनकी गलती है? क्या मारे गए बच्चों के परिजनों को इन देशों के तानाशाही व संप्रभुता को बनाये रखने वाले नेतृत्व कभी उनके बच्चों को वापस कर सकेंगे? यह एक भावुक कर देने वाला क्षण है. अति संवेदनशील क्षण है. वास्तव में यह जीवन-मृत्यु से खेल रहे लोगों की पीड़ा का क्षण है. लेकिन सबसे बड़ी बात यह है की हमारे मानवतावादी लोग इनकी पीड़ा के साथ सच में खड़े नहीं हैं. मध्यस्थ भी अब दुनिया में नहीं बचे और संयुक्त राष्ट्र पूरी तरह केवल आसमानी चिंता एजेंसी बन गया है जो आकाशवाणी की तरह देशों के सामने पुकार लगाता है और शांत हो जाता है. चिंता जाहिर करके वेवश हो जाता है. यह कभी भी उसके वश में नहीं है की वह कुछ कर सके. यह एक सहस्र दिन की युद्ध कथा ने वास्तव में देखा जाए तो बहुतों का पोल खोल कर रख दिया है और यदि यह सब निरंतर बना रहा तो दुनिया के लोग इन एजेंसीज पर विश्वास करना बंद कर देंगे.

सभी जानते हैं की झैपरोझिया-परमाणु ऊर्जा संयंत्र मार्च 2022 से ही रूस के नियंत्रण में है. एक अच्छी बात यह ज़रूर अब तक रही है कि यूएन परमाणु निगरानी एजेंसी आईएईए की विशेषज्ञ टीमें, इस संयंत्र की सुरक्षा निगरानी कर रही हैं. लेकिन इसके आसपास हो रहे ड्रोन हमले एवं लड़ाई को रोकने में संयुक्त राष्ट्र की यह एजेंसी भी कुछ करने में असमर्थ रही है जो दुनिया के चिन्ता की सबब बनी हुई हैं. चिंता इस बात की भी है कि यदि आईएईए भी असमर्थता जाहिर कर दी और हाथ खड़े कर दिए तो क्या होगा? अमेरिका द्वारा हिरोशिमा व नागासाकी शहरों पर परमाणु हथियारों के हमले से आज भी दुनिया में न विमर्श की कमी है न ही वहां के नागरिक आज भी चिंतामुक्त हो सके हैं. यदि यूक्रेन और रूस के विवाद और हजारों दिन से चल रहे युद्ध ने परमाणु का रुख कर लिए तो निश्चय ही पूरी दुनिया आज जो प्रतिरोध करके दोनों देशों को युद्ध न करने पर मना नहीं पा रही है वह कभी अपने आपको माफ़ नहीं कर पायेगी. परमाणु हमले का वास्तव में प्रभाव क्या होगा वह तो अलग ही बात है. विश्व में अशांति की यह सबसे बड़ी गाथा लिखी जा रही है वह गाजा में भी है. दूसरे देशों में है. यह युद्ध की कथा बहुत ही सतत अशांति की ओर दुनिया को ले जा रही है. ऐसे में इस वीभत्स युद्ध के रोकने के लिए एकजुट वैश्विक आवाज़ की आवश्यकता है चाहे दुनिया के लोग मानें या न मानें.

लाखों नागरिक अब भी व्यापक पैमाने पर मौतों, विध्वंस और हताशा से जूझ रहे हैं. यूक्रेन पर रूस के इस आक्रमण को, संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अंतरराष्ट्रीय क़ानून का खुलेआम उल्लंघन 2022 में ही बताया गया, पर इतना कह देना काफी नहीं था. सभी देशों की और से केवल संयुक्त राष्ट्र में प्रतिरोध करने से युद्ध नहीं रुकेंगे. ऐसे में एक सामूहिक प्रयास वैश्विक एकजुटता युद्ध रोकने के लिए बहुत ज़रूरी है. इसे रोकना ही होगा नहीं तो ये क्रूर देश हो सकता है अगले हज़ार दिन और युद्ध लड़ते रहें और अपने नागरिकों को बलि चढ़ाते रहें. सतत अशांति का विकल्प दुनिया की एकजुट प्रतिरोध से ही अब ढूँढा जा सकेगा, ऐसा ही लगता है.

धधक रहा मणिपुर, अमन-चैन कितनी दूर?

मुद्दा

नलिन खोईवाल

लेखक स्तंभकार हैं।

मणिपुर का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को बरबस ही अपनी ओर खींचता है। मणिपुरी नृत्य, घुमावदार घाटियाँ और ऊँची-नीची पहाड़ियों से घिरा जनजीवन इस प्रदेश की खास विशेषताएं हैं। मणिपुर भारत का एक पूर्वोत्तर राज्य है। इसके उत्तर में नागालैंड, दक्षिण में मिजोरम, पश्चिम में असम व पूर्व में म्यांमार है। यहाँ की मुख्य भाषा मेइतिलोन है, जिसे मणिपुरी भाषा के नाम से भी जाना जाता है। मणिपुर को एक संवेदनशील सीमावर्ती राज्य भी माना जाता है। मणिपुर की जनसंख्या लगभग 33 लाख है। यहाँ की राजभाषा मणिपुरी है। मणिपुर को दक्षिण एशिया का दरवाजा भी कहा जाता है। मणिपुर का शाब्दिक अर्थ 'आभूषणों की भूमि' है। भारत की स्वतंत्रता से पहले यह एक रियासत थी। आजादी के बाद इसे भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया और 21 जनवरी, 1972 को मणिपुर को भारत के 19 वें पूर्ण राज्य का दर्जा मिला। मणिपुर राज्य के अंतर्गत 16 जिलों का समावेश हैं। इस राज्य को पूर्व की सात बहनों असम, मिज़ोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा में से एक माना जाता है। मणिपुर का प्राचीन इतिहास मैतेई समुदाय और इसके राजवंशों से जुड़ा हुआ है। 1500 ईसा पूर्व से ही यह समुदाय यहाँ रहता आया है।

मणिपुर की प्रधान भाषाएँ एवं जनजातियाँ- यहां की मुख्य भाषा मणिपुरी है तथा इसके अलावा नेपाली,हिंदी,अंग्रेजी एवं बंगाली भाषाएं भी बोली जाती है। अन्य भाषाओ में नागा भाषाएँ उपयोग की जाती है जिसमे रोंगमेई, पौला, तांगखुल, माओ इत्यादि भाषाएँ शामिल होती हैं। मणिपुर में 33 अनुसूचित जनजातियाँ हैं, जिसमें ऐमोल, अनल, अंगामी, चिरू, चोथे, गंगटे, हमार, काबुई, कचा नागा, कोइराओ, कोम, लमगांग, मिज़ो, लश ऐ, मारम, मारिंग, माओ, मोनसांग, पाइते, राल्ते, सेमा, सिम्टे, सुहते, तांगखुल,थाडौ, वैफेई, ज़ू, पौमेई, नागा, ताराओ, करम और कुकी जनजातियाँ हैं। मैतेई समुदाय घाटियों में व नागा-कुकी समुदाय पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करते हैं। यहां 90 प्रतिशत पहाड़ी क्षेत्र हैं। हिंदू व इसाई धर्मावलंबी बहुतायत में रहते हैं, जो कि कुल जनसंख्या का 82 प्रतिशत है तथा इसमें मैतेई एवं नागा-कुकी समुदाय शामिल है। इसके अतिरिक्त मुस्लिम,सिख,बौद्ध एवं जैन धर्म के लोग भी यहां अल्पसंख्यक के रूप में निवासरत हैं।

अर्थव्यवस्था एवं जलवायु- मणिपुर की कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था है । चाय, धान,चावल,फल एवं सब्जियों का यहां प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है। तभी यहां के लोगों का मुख्य आहार चावल,सब्जी एवं मछली है। मणिपुर में देश के 14 प्रतिशत बांस का उत्पादन होता है, जो कि भारत में सर्वाधिक है। घाटी की जलवायु समशीतोष्ण और पहाड़ियों पर सर्द है। यहां वर्षा खूब होती है और इसका औसत लगभग 1,650 मिमी प्रतिवर्ष है। पहाड़ियाँ घने मिश्रित वनों से आच्छादित हैं, जिनमें बांस और सागौन के पेड़ मिलते हैं। अन्य वृक्षों में बलूत, मैग्नोलिया और चिंकापिन शामिल हैं तथा वन्य जीवों में एशियाई हाथी, बाघ, तेंदुए और जंगली भैंस बहुतायत में पाए जाते हैं। कहा जाता है कि महाभारत काल में अपने अज्ञातवास के दौरान पांडव भी इस क्षेत्र में रहे थे। इस कारण इसका धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व भी है।

मणिपुर में कुटीर उद्योग मुख्य रूप से बांस और बेंत के उत्पाद, हाथी दांत की नक्काशी और लकड़ी की नक्काशी जैसे हस्तशिल्प के उत्पाद भी शामिल हैं। मणिपुर न केवल अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि अपने जीवंत नृत्य रूपों और संगीत, प्राकृतिक परिदृश्य और स्वादिष्ट स्थानीय व्यंजनों के लिए भी प्रसिद्ध है। मणिपुर के लोग सादगी में विश्वास करते हैं और बेहद मिलनसार हैं। फलों में केला, अनानास और खट्टे फलों का क्षेत्रफल और उत्पादन में बड़ा हिस्सा है। अन्य फल जो बड़े क्षेत्र में उगाए जाते हैं वे हैं अमरूद, पपीता इत्यादि।

मुख्य पर्यटन स्थल एवं नदियाँ – जून माह से लेकर फरवरी माह तक का समय मणिपुर राज्य में पर्यटन हेतु अत्यंत सुहावना माना जाता है, जिसमे प्राकृतिक सुंदरता के विलोभनीय दर्शन आपको यहाँ मिल जाते हैं। मणिपुर राज्य के प्रसिध्द पर्यटन स्थल हैं, लोकतक झील - विश्व की एकमात्र तैरती हुई झील, केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, थारोन गुफा,कांगला किला,सिंगदा बांध, आईएनए मेमोरियल कॉम्प्लेक्स ,श्री गोविंदजी मंदिर,मणिपुर प्राणी उद्यान,मणिपुर राज्य संग्रहालय, इमा कीथेल वुमन मार्केट, जोरेबंगला मंदिर, दाल मडोल,एंड्रो - मिट्टी के बर्तनों के अनूठे रूप का घर,लीमरम झरना - सुरम्य तिकड़ी झरना,दज़ुकौ घाटी - प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग,शिरुई काशुंग चोटी - दुर्लभ पक्षियों का घर एवं वेथौ झील । मणिपुर राज्य में बहनेवाली प्रमुख नदियाँ इरिल नदी, मणिपुरी नदी,खुगा नदी,इंफाल नदी,तुईवई नदी, नाम्बुल नदी,जीरी नदी,बराक नदी एवं टुइथा नदी हैं ।

तनाव पनपने के प्रमुख कारण – मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने के उच्च न्यायालय एवं सरकार के फैसले के खिलाफ राज्य में हिंसा भड़क उठी थी। मैतेई समाज की मांग है कि उन्हें भी नागा-कुकी समाज की तरह ही राज्य में अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए। मैतेई एवं नागा-कुकी के बीच टकराव एवं यौन उत्पीड़न की घटनाएं और महिलाओं को बेइज्जत कर सरेआम घुमाने की घटनाएं समाज को शर्मसार करने वाली हैं एवं हैवानियत की यह चरम पराकाष्ठा है।

दंगा प्रभावित क्षेत्र एवं जान-ओ-माल का नुकसान – विरोध प्रदर्शनों एवं रैलियों के दौरान चुराचाँदपुर,विष्णुपुर, खनेलोक, गोवागंज एवं चानुंग क्षेत्रों में इससे पहले हुई हिंसा में करीब 180 लोग मारे गए थे एवं दंगों से प्रभावित 60 हजार लोग विस्थापित किए गए थे। लूटपाट,तोड़फोड़, आगजनी एवं बलात्कार की भी कई घटनाएं हुई थीं। करोड़ों रुपए की संपत्ति और संपदा का नुकसान भी हुआ था। और अभी हाल ही में हुई घटनाओं में भी बदलता यही परिदृश्य नजर आ रहा है।

पल-पल बदलता परिदृश्य – लगता है कि चुनावी दांव-पेंच एवं सियासी चालों में कोई और बलि का बकरा बनता दिख रहा है। कभी पुरुष धान की खेती कर अनानास बेचते थे अब वे बंदूक लिए घूमते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे जिनका सपना सेना में जाने का था अब वे खंदकों में लेटे दिन बिता रहे हैं। उनके नन्हे हाथों ने कलम की जगह बंदूकें एवं हथियार थाम लिए है और अब वे चैन-ओ-अमन की जगह बारूद की फसल उगा रहे हैं।

हमें समझना चाहिए कि यदि हम नफरत की फसल बोएंगे तो बदले में मुहब्बत के खुलूस की उम्मीद करना बेमानी ही होगा। स्वार्थ की राजनीति के चश्मे को उतारने की नितांत आवश्यकता है। अनुच्छेद 356 का संवैधानिक उपयोग कर राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की भी दरकार है अथवा सही मायनों में यदि इसका समाधान खोजना है तो दोनों समुदाय को बिठाकर बातचीत का दौर प्रारंभ करना चाहिए। बातचीत से सुलह ही इसके समाधान का एक विकल्प परिलक्षित होता है। जिसे समय रहते अमल में लाया जाना वक्त की दरकार है। भले ही धधक रहा है मणिपुर, पर अमन-चैन अभी नहीं है दूर।

युवा भारतीय महिलाओं की उभरती आकांक्षाएँ

विचार

प्रियंका सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

पिछले एक दशक में युवा भारतीय महिलाओं की आकांक्षाओं में एक परिवर्तनकारी बदलाव देखा गया है, जो उनकी बढ़ती स्वायत्तता, शिक्षा और कार्यबल में भागीदारी को दर्शाता है। यह विकास भारत के सामाजिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से पुनर्परिभाषित कर रहा है।

उच्च शिक्षा और कौशल विकास में लड़कियों की अब लड़कों के बराबर शैक्षिक उपलब्धि है, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक युवा महिलाएँ कक्षा 12 पूरी कर रही हैं और 26 प्रतिशत कॉलेज की डिग्री प्राप्त कर रही हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (2017-18) उच्च शिक्षा में महिलाओं के बढ़ते नामांकन पर प्रकाश डालता है, जिसमें महिला सकल नामांकन अनुपात 27.3 प्रतिशत तक पहुँच गया है। युवा महिलाएँ विभिन्न कैरियर पथों और डिजिटल कौशल प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच से प्रभावित होकर पेशेवर महत्वाकांक्षाओं को तेज़ी से प्राथमिकता दे रही हैं। स्किल इंडिया मिशन और स्टेम फ़ॉर गर्ल्स इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने तकनीकी क्षेत्रों में युवा महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिया है।

विवाह की औसत आयु 2005 में 18.3 वर्ष से बढ़कर 2021 में 22 वर्ष हो गई है, जिसमें अधिक युवा महिलाएँ अनुकूलता के आधार पर साथी चुनती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 52 प्रतिशत महिलाओं ने साथी चयन में अपनी बात रखी, जो 2012 में 42 प्रतिशत थी। कई युवा महिलाएँ आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास कर रही हैं, विशेष रूप से उद्यमिता के माध्यम से, क्योंकि सरकार महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए समर्थन दे रही है। उदाहरण के लिए: नीति आयोग द्वारा महिला उद्यमिता मंच ने 10,000 से अधिक महिला उद्यमियों के नेटवर्क को बढ़ावा दिया है। युवा महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय शासन में बढ़ती भागीदारी के साथ राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हैं। ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वयं सहायता समूह सदस्यता 2012 में 10 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 18 प्रतिशत हो गई। ये आकांक्षाएँ पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं और मानदंडों को चुनौती दे रही हैं। जैसे-जैसे अधिक महिलाएँ करियर बना रही हैं, घरों में पारंपरिक लैंगिक अपेक्षाएँ बदल रही हैं। मनरेगा पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन प्रदान करता है, जो ग्रामीण घरेलू गतिशीलता को प्रभावित करता है। अधिक शिक्षा और आय के साथ, युवा महिलाओं का अब परिवार के वित्तीय और सामाजिक निर्णयों में अधिक प्रभाव है। स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण महिलाओं को सामूहिक रूप से घरेलू वित्त का प्रबंधन करने के लिए सशक्त बनाया है। बाद में विवाह करने और साथी चुनने में सक्रिय भागीदारी की ओर बदलाव ने अरेंज मैरिज की पारंपरिक संरचना को चुनौती दी है। बाल विवाह में कमी और बाद में विवाह करने को प्राथमिकता देने की रिपोर्ट करता है। बढ़ती स्वतंत्रता ने सामाजिक प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए शिक्षा या काम के लिए महिलाओं की अकेले यात्रा को सामान्य बना दिया है। 2012 में 42 प्रतिशत की तुलना में अब 54 प्रतिशत महिलाएँ बस या ट्रेन से अकेले यात्रा करने में सहज महसूस करती हैं। युवा महिलाएँ पेशेवर सेटिंग्स में लैंगिक समानता के बारे में तेज़ी से मुखर हो रही हैं, कानूनी और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा दे रही हैं। पोष अधिनियम (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम), 2013 ने महिलाओं को कार्यस्थल के मुद्दों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने के लिए सशक्त बनाया है। स्वयं सहायता समूह और ग्राम सभाओं में युवा महिलाएँ शासन में महिलाओं की भूमिका पर पारंपरिक विचारों को चुनौती दे रही हैं। केरल कुदुम्बश्री मिशन महिला-नेतृत्व वाले शासन को बढ़ावा देता है, जिसने राज्यों में इसी तरह के मॉडल को प्रेरित किया है। भारतीय महिलाएँ ऊर्जा से लबरेज, दूरदर्शिता, जीवन्त उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में, हमारे लिए महिलाएँ न केवल घर की रोशनी हैं, बल्कि इस रौशनी की लौ भी हैं। अनादि काल से ही महिलाएँ मानवता की प्रेरणा का स्रोत रही हैं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने बड़े पैमाने पर समाज में बदलाव के बड़े उदाहरण स्थापित किए हैं।

स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाएँ न केवल खुद को सशक्त बना रही हैं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की मजबुती में को भी योगदान दे रही है। सरकार के निरन्तर लगातार आर्थिक सहयोग से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में उनकी भागीदारी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। पिछले 6-7 वर्षों में महिला स्वयं सहायता समूहों का अभियान और तेज हुआ है। आज देश भर में 70 लाख स्वयं सहायता समूह हैं। महिलाओं के पराक्रम को समझने की ज़रूरत है, जो हमें महिमा की अधिक ऊंचाइयों तक पहुँचाएगी। आइए हम उन्हें आगे बढ़ने और फलने-फूलने में मदद करें। महिलाओं के सर्वांगीण सशक्तिकरण के लिए 'अमृत काल' इन्हें समर्पित हो।

युवा भारतीय महिलाओं की उभरती आकांक्षाएँ भारत के सामाजिक ताने-बाने को उत्तरोत्तर रूप से परिभाषित कर रही हैं, एक ऐसे समाज को बढ़ावा दे रही हैं जहाँ लैंगिक समानता और महिलाओं की एजेंसी आदर्श बन गई है। सहायक नीतियों को सुनिश्चित करने से इस बदलाव में तेज़ी आ सकती है, जिससे समावेशी और सशक्त भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

ऑनरेरी डॉक्टर अवॉर्ड्स

व्यंग्य

डॉ. महेंद्र अग्रवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

विद्यावाचस्पति अर्थात् ऑनरेरी डाक्टरेट की उपाधि संबंध हों तो संत मेंत में मतलब कोड़ियों के मोल मिल सकती है। इससे आप अपने गिरे पड़े से तुच्छ नाम के साथ डॉक्टर जोड़कर बरसों के दबे कुचले या उपेक्षित व्यक्तित्व में चार चांद लगा सकते हैं। वही डिग्री जिसके लिए असली शोधार्थी तीन चार साल कड़ी मेहनत करते हैं या मां बाप के ढाई-तीन लाख रुपये पेशेवर प्राध्यापकों और विश्वविद्यालयों के ऊपर न्यौछावर कर देते हैं। उसी महत्वपूर्ण डिग्री के सहज सुलभ होने का आकर्षक विज्ञापन फेसबुक पर मेरी आंखों के सामने था। मूढ़मति हिंदी भाषियों के लिए अंग्रेजी में भी लिखा था-एलीवेट योर कैरियर विद डॉक्टरेट डिग्री। चेट आन वाटसअप के साथ एप्लाई फार अवॉर्ड का बटन भी दिया हुआ था। इतना आकर्षक प्रस्ताव देखकर कौन सा महत्वाकांक्षी साहित्यकार अपने धड़कते दिल पर हाथ रखकर संतोष का व्रत धारण कर सकता है या तो वो साहित्यकार होगा ही नहीं अथवा उसे अपने ऊपर ही कान्फीडेंस नहीं होगा। या हो सकता है वह इस क्षेत्र में नया हो। औसत भारतीय का उसूल है जो चीज पैसे से मिल जाये उसके लिए मेहनत क्या करना और लाख रुपये की बात क्यों करना।

मैं जब टाइपिंग सीख रहा था तब एक समझदार शुभचिंतक ने मेरा शुभ होता देख चिंता वयक्त करते हुए समझाया कि मूर्खता करते हो घंटे भर में कितने पेज टाइप करोगे चार पांच दस रुपये पेज में बाजार से टाइप कराकर अपना एक घंटा किसी बड़े काम में लगाओ। मेरे ज्ञानचक्षु खुल गये। नतीजा...... अब आप तो समझदार हैं क्या कहूं।

रात बिस्तर पर पड़े-पड़े जब नींद आने को राजी नहीं हुई तो सोचा कि दिये नंबरों पर सम्पर्क कर देखूं। मेरी भी किस्मत जागती है या नहीं मुझे वो इस लायक मानते भी हैं या नहीं मन मचल मचल जाये वाली स्थिति में मैसेज कर दिया-प्लीज़ सेंड डिटेल्स। जवाब की प्रतीक्षा में बार-बार हाथ अपने मोबाइल पर जाता और फेसबुक देखने लगता। बस ये समझ लो रात बिस्तर पर नहीं कांटों पर कटी। सुबह उठा तो अलसाया सा था।

दस बजते ही फोन की घंटी ने तंद्रा तोड़ी।

हैलो गुड मार्निंग सर! मैं सपना बोल रही हूं बुद्धिमान इंटरनेशनल काउंसिल से इन द रिगार्डस आव आनरेरी डॉक्टर अवार्डस आपकी एक इंक्वारी है।

मीठी आवाज़ सुनते ही मैं चैतन्य हो उठा।

- जी बताइये आपकी क्या प्रोसेस है क्या प्रोसेस फीस है।

- ओ. के. सर !ह मारी सिक्सटी थाउसेंड मेंबर फीस है। और आपसे जो प्राइस चार्ज करते हैं इसमें वेन्यू है फूड इन्क्लूडेड है। सेलिब्रिटी का एमांउट इन्क्लूडेड होता है। प्लस आपको मीडिया कवरेज दी जाती है।इसमें वन फिफ्टी प्लस मीडिया कवरेज देते हैं। और इसमें फोटो वीडियोज़ के चार्जेस भी रहते हैं। ये आप पे डिपेंड करता है कि आप लाइव कन्वोकेशन में अटेंड करना चाहेंगे या ग्रुप में करना चाहेंगे।

-जी तो क्या अलग-अलग चार्जेस हैं? मैंने हैरानी व नादानी से पूछा।

-जी सर आप ग्रुप में अटेंड करना चाहते हैं अवॉर्ड सेरेमनी तो इसमें चार्ज है सिक्सटी थाउसेंड और पर्सनली चाहते हैं तो उसमें चार्ज है वन फिफ्टी लाख। इसमें आपको पर्सनली सेलिब्रिटी के साथ अवॉर्ड दिया जायेगा। पर्सनली एक रूम में इंटरव्यूह वगैरह हायर किये जाते हैं। डेढ़ लाख सुनते ही खड़ी फसल पर ओले पड़ गये।मरी सी आवाज में पूछा-

-अच्छा तो इसमें हम लोगों को क्या करना होता है डाक्यूमेंटेशन वगैरह।

-सर आप अभी करते क्या हैं?

-मैं लिटरेचर की फील्ड में हूं। कुछ बुक्स पब्लिश हुई हैं।

-ओ के नो इश्यू । आपको बस अपना वर्किंग एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट रिज़्यूम और एक आधार कार्ड देना होगा। बाकी सब हम कर लेंगे। मैं कुछ जवाब देता उसने कस्टमर हाथ से न निकल जाये वाले भाव से तुरंत पूछ लिया।

-तो सर आप कैसे सेरेमनी अटेंड करना चाहेंगे ग्रुप में या पर्सनली।

-जी मैं विचार करके बताता हूं। मैंने टालने वाले अंदाज में कहा।

-तो सर मैं कब संपर्क करूं, उसने फिर पूछ लिया।

-मैंने कहा-अब इस नंबर पर मैं खुद ही संपर्क कर लूंगा । आप परेशान न हों, देखता हूं कितने पैसे इकट्ठे हो पाते हैं। और कहते ही फोन बंद कर लिया।

धर्म संस्कृति

परविंदर शर्मा

भगवान् श्री परशुराम जी पीठ, अध्यक्ष एवं सहायक आचार्य जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, पटियाला

माता शाकंभरी देवीशक्तिपीठ : आस्था का एक केंद्र

भारत की धरती पर अनेकों ही सिद्धपीठ स्थापित है जो कि भारतीय संस्कृति की पहचान बने हैं और भारतीय संस्कृति को मजबूत करने के अलावा समाज के अन्दर रहने वाले लोगों की आस्था का केंद्र भी है। जिस पर अनेकों भक्त जाकर माँ की वंदना करते हैं और मन से मनुष्य वर मांगता है मातारानी की कृपा से उसके ऊपर माँ अपना हाथ रखकर उसकी मनोकामनाओं को पूर्ण करती है। ऐसा ही एक मंदिर सहारनपुर जनपद मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर शिवालिक पर्वत श्रृंखला में स्थित सिद्धपीठ मां शाकंभरी देवी मंदिर से मशहूर है जिसकी गिनती देश के 51 पवित्र शक्तिपीठों में भी की जाती है। इस सिद्धपीठ में मत्था टेकने से प्राणी सर्व सुख संपन्न हो जाता है। तीर्थ के निकट क्षेत्र में बाबा भूरादेव, छिन्नमस्तिका मंदिर, रक्तदंतिका मंदिर आदि है। श्री दुर्गा सप्तशती के 11वें अध्याय में मां शाकंभरी देवी का वर्णन मिलता है। मां शाकंभरी, मां दुर्गा देवी का ही अवतार हैं। मान्यता है कि मां शाकंभरी देवी के दर्शन करने से मनुष्य के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। नवरात्र सहित अन्य दिनों में रोजाना लाखों श्रद्धालु मां के दर्शन करने पहुंचते हैं। मां शाकंभरी के दरबार में श्रद्धालुओं का तांता हमेशा ही लगा रहता है। कहा जाता है कि जो भक्त मां शाकंभरी देवी के दर्शन कर लेते हैं उनकी हर मुराद पूरी होती है। यहां दूर-दूर से लोग मां शाकंभरी देवी के दर्शन करने आते हैं। मां शाकंभरी देवी आदिशक्ति का ही स्वरूप है। सिद्धपीठ में बने माता के पावन भवन में माता शाकंभरी देवी, भीमा, भ्रामरी, शताक्षी देवी की भव्य एवं प्राचीन मूर्ति स्थापित है। वर्तमान मे उत्तर भारत की नौ देवियों मे शाकम्भरी देवी का नौंवा और अंतिम दर्शन होता है वैष्णो देवी से शुरू होने वाली नौदेवी यात्रामे माँ चामुण्डा देवी, माँ वज्रेश्वरी देवी, माँ ज्वाला देवी, माँ चिंतपुरणी देवी, माँ नैना देवी, माँ मनसा देवी, माँ कालिका देवी, माँ शाकम्भरी देवी सहारनपुर आदि शामिल हैं। नौ देवियों मे माँ शाकंभरी देवी का स्वरूप सर्वाधिक करूणामय और ममतामयी माँ का है। मान्यता है, कि पुरातन युग में जब राक्षसों के घोर पाप के कारण सृष्टि पर अकाल पड़ गया था, ठीक उसी समय सभी देवताओं ने मिलकर शिवालिक पर्वत श्रृंखला की प्रथम शिखा पर पूर्ण भक्ति भावना, आस्था एवं श्रद्धा से ओतप्रोत होकर मां जगदंबा की आराधना की थी। इससे प्रसन्न होकर मां भगवती प्रकट हुई और उन्होंने अपनी माया का चमत्कार दिखाते हुए अकाल ग्रस्त पृथ्वी लोक से भूख और प्यास के प्रकोप को दूर कर दिया। इस तरह माता ने अपनी शक्ति के बल पर सभी प्राणियों की रक्षा की और संसार में मां शाकंभरी देवी के नाम से सभी के लिए पूजनीय बनी।

शाकंभरी देवी की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका और मान्यता है, जो उनके आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव को स्पष्ट करती है। वे केवल एक देवी नहीं हैं, बल्कि समाज में पोषण, समृद्धि, और संतुलन के प्रतीक के रूप में पूजी जाती हैं। उनकी पूजा से समाज में कई तरह के लाभ और संदेश उत्पन्न होते हैं। शाकम्भरी देवी का प्रमुख पहलू उनके साथ जुड़ा हुआ है, जो आहार और पोषण के देवता के रूप में उनके महत्व को दर्शाता है। समाज में यह संदेश जाता है कि जीवन का मूलाधार भोजन है, और हर जीव को पोषण की आवश्यकता है। शाकम्भरी देवी के माध्यम से यह भी स्पष्ट होता है कि समृद्धि और जीवन में संतुलन के लिए आहार का सही प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाज में खाद्य सुरक्षा और संतुलित आहार का महत्व बढ़ाने के लिए देवी की पूजा एक प्रेरणा का काम करती है। शाकम्भरी देवी की पूजा के दौरान विशेष रूप से सामूहिक पूजा की परंपरा है, जहां लोग मिलकर पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं, और भोजन का वितरण करते हैं। इस प्रकार, देवी की पूजा समाज में सामूहिकता और सहयोग का संदेश देती है। जब लोग एक साथ इकट्ठा होकर व्रत और पूजा करते हैं, तो समाज में एकजुटता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। यह एक सामाजिक समरसता का प्रतीक बनती है, जो किसी भी समुदाय को एक साथ जोड़ने का काम करती है। शाकम्भरी देवी की पूजा मानसिक और आध्यात्मिक शांति का स्रोत मानी जाती है। आज के समय में जब समाज में तनाव और दबाव बढ़ रहा है, तब शाकम्भरी देवी का ध्यान और पूजा से लोगों को मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करने का माध्यम बनकर सामने आती है। देवी की पूजा से समाज के लोग आत्मिक शांति, सुख-शांति और मानसिक समृद्धि का अनुभव करते हैं। यह मानसिक तनाव को कम करने में मदद करती है और समाज के लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती है।

शाकम्भरी देवी का रूप एक शक्तिशाली महिला के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जो समाज में स्त्री शक्ति, संरक्षण और पोषण की प्रतीक हैं। देवी के इस रूप को समाज में महिलाओं के अधिकारों, उनके योगदान और उनके सामर्थ्य को पहचानने और सम्मान देने के रूप में देखा जा सकता है। यह महिलाओं के आत्मसम्मान और उनके महत्व को समाज में स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। शाकम्भरी देवी को पूजने से समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और आदर की भावना को बढ़ावा मिलता है।शाकम्भरी देवी की पूजा से यह संदेश जाता है कि देवी सिर्फ आहार और पोषण की नहीं, बल्कि समृद्धि की भी देवी हैं। जब समाज में शाकम्भरी देवी की पूजा होती है, तो यह आर्थिक समृद्धि, समता और विकास की दिशा में एक संकेत है। लोग देवी से अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार और परिवार में खुशहाली की कामना करते हैं। इस प्रकार, शाकम्भरी देवी का प्रभाव समाज की आर्थिक और सामाजिक समृद्धि पर भी पड़ता है।

हम ये भी कह सकते हैं किशाकम्भरी देवी समाज के भीतर पोषण, समृद्धि, सामूहिकता, और मानसिक शांति का प्रतीक हैं।उनकी पूजा से न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक लाभ मिलता है, बल्कि यह समाज के विभिन्न पहलुओं जैसे सामाजिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक में सुधार की प्रेरणा भी देती है। उनके संदेशों का पालन करते हुए समाज एकजुट, समृद्ध और मानसिक रूप से संतुलित बनता है। शाकम्भरी देवी का महत्व समाज के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सेहत

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

जीवन दायिनी दवाओं का बेअसर हो रहा असर

कोरोना के बाद जहां एक और आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को ईलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिश्योक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धड़ल्ले से लिखी जा रहा है। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पंहुचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टिरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है।

यह बेहद चिंतनीय है कि आज जीवनदायिनी दवाएं तेजी से बेअसर होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौरतरीके से अनविज्ञ होना या फिर जानबूझकर लावपरवाही बरतने के साथ ही खान पान से जुड़ी गलतियां भी है। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं। देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेहसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है। दरअसल कोरोना के बाद जहां एक और आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को ईलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धडल्ले से लिखी जा रहा है। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पंहुचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टिरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है। भारत सरकार बार बार यह एडवाइजरी जारी करती जा रही है कि एंटीबायोटिक दवाएं अत्यधिक आवश्यकता में ही लिखी जाएं और एंटीबायोटिक दवाएं लिखते समय मरीज को कारण और उपयोग के तरीके से अवश्य बताया जाए। इसी से हालात की गंभीरता को समझा जा सकता है। जहां तक योरोपीय देशों की बात है वहां सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में एंटीबायोटिक का उपयोग ना के बराबर होता है।

दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देश-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेडिकल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं। यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इमरजेंसी के रुप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरियता देने लगे है। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है। हालात यहां तक हो गए हैं कि प्रति व्यक्ति 30 प्रतिषत अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक का उपयोग होने लगा है। दवाओं का बेअसर होने का सीधा सीधा असर किडनी, लीवर, ब्रैन, हार्ट आदि प्रभावित होने लगे हैं। इन गंभीर बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होने लगा है।

दिल्ली एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. एमसी मिश्रा का कहना है कि एंटीबायोटिक दवाओं को धडल्लें से बिना डॉक्टर की प्रेसक्रेप्सन के भी सहज उपलब्धता एक प्रमुख कारण है। एएमआर के लिए किसी एक को दोष नहीं दिया जा सकता है। इसके लिए चिकित्सक, केमिस्ट, आम आदमी और सरकार सभी कमोबेस जिम्मेदार है। योरोपीय देशों व अमेरिका में बिना डॉक्टर के प्रेसक्रेप्सन के केमिस्ट या अन्य स्थान से दवा उपलब्ध ही नहीं हो सकती। हमारे यहां हालात विपरीत है। ऐसे में दवाओं के बेअसर होने के खतरें को टालने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। डॉक्टर, दवा विक्रेता, आमनागरिकों और सरकार को समन्वित प्रयास करने होंगे। आवश्यकता नहीं होने पर एंटीबायोटिक का प्रयोग नहीं करने, दवा विक्रेताओं द्वारा मौखिक रुप से मांगने पर दवा नहीं देने, आमनागरिकों को सजग और स्वास्थ्य के प्रति गंभीर होना होगा। इसके साथ ही सरकार को भी थोड़ी सख्ती करनी ही होगी ताकि सेहत के लिए जरुरी दवाएं अपना असर खोने से बच सके। नहीं तो हालात जिस तरह के आएंगे उसकी कल्पना ही नहीं की जा सकती है। केवल कहने से कि एंटीबायोटिक बेअसर होती जा रही है उससे कोई सकारात्मक समाधान नहीं हो सकेगा। अधिकांश लोग इन हालातों से अनजान है ऐसे में सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं को जागरुकता अभियान चलाना होगा और इस पूरे चक्र को लाईन पर लाने के लिए डॉक्टरों, दवा विक्रेताओं, सरकार और आमनागरिकों को समन्वित प्रयास करने होंगे। नहीं तो आने वाले समय में एएमआर गंभीर हालातों की और इशारा करने लगी है और कहीं ऐसा नहीं हो कि हालात हमारे हाथ से निकल जाएं।

झलकारी बाई की जयंती

गौरव अवस्थी

‘जय भवानी’ का उद्घोष कर बलिवेदी पर सो गई एक वीरांगना

झलकारी बाई का जन्म झांसी के पास भोजला गांव में एक कृषक परिवार में 22 नवंबर 1830 को हुआ था पिता सदौवा सिंह और माँ जमुना देवी के घर जन्म लेने वाली झलकारी बाई की वीरता की कई कहानियां बुंदेलखंड में आज भी सुनी-सुनाई जाती हैं। किसान होने के बावजूद झलकारी बाई के पिता एक वीर पुरुष थे। छोटी ही उम्र में झलकारी के सिर से माँ जमुना देवी का साया उठ गया। पिता ने बेटे की तरह उनका लालन-पालन किया। उन्होंने अपनी बेटी को घुड़सवारी तथा अस्त्र-शस्त्र संचालन सिखाए। उन्होंने झांसी की रानी की सेवा में तोपची के रूप में नियुक्त युवक पूरन सिंह कोरी के साथ झलकारी बाई का विवाह कर दिया। पूरन ने ही पहली बार रानी से झलकारी बाई को मिलवाया। रानी झलकारी बाई से पहली बार में बहुत प्रभावित हुई और उन्हें अपनी सेना में नियुक्त कर लिया। अपनी सूझबूझ, संगठन क्षमता और अस्त्र-शस्त्र संचालन में कुशलता के चलते वह जल्दी ही रानी की विश्वास पात्र बन गई। सेवा में नियुक्त होने के थोड़े दिन बाद ही अंग्रेज फौज ने झांसी पर घेरा डाल दिया। रानी लक्ष्मीबाई ने आपातकालीन युद्ध परिषद की बैठक बुलाई। इसी बैठक में झलकारी बाई ने रानी के सामने प्रस्ताव रखा कि दुश्मन को धोखे में डालने के लिए आपका वेश धारण करके मैं छोटी सी टोली के साथ रहकर अंग्रेजी सेना पर आक्रमण करूं। दुश्मन मुझे रानी समझकर पकड़ने के लिए पीछा करें, तभी आप दूसरे मोर्चे से किले से निकल जाईएगा। रानी को झलकारी बाई की योजना बहुत पसंद आई लेकिन उन्होंने झलकारी की जान जोखिम में डालने के लिए प्रस्ताव खारिज कर दिया।

देश के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में झांसी राज्य की आन-बान और मर्यादा के लिए वीरांगना झलकारी बाई और उनके पति पूरन सिंह कोरी ने अंग्रेजों से युद्ध करते हुए अपना बलिदान दिया था। वह झलकारी बाई ही थीं जिन्होंने रानी को अंग्रेजों के चंगुल से सकुशल निकालने के लिए झांसी की रानी का वेश धारण गोरे सैनिकों से युद्ध करके उनके छक्के छुड़ा दिए। उनके बलिदान को याद किए बिना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान की स्मृति अधूरी ही रहती है।

झलकारी बाई का जन्म झांसी के पास भोजला गांव में एक कृषक परिवार में 22 नवंबर 1830 को हुआ था पिता सदौवा सिंह और माँ जमुना देवी के घर जन्म लेने वाली झलकारी बाई की वीरता की कई कहानियां बुंदेलखंड में आज भी सुनी-सुनाई जाती हैं। किसान होने के बावजूद झलकारी बाई के पिता एक वीर पुरुष थे। छोटी ही उम्र में झलकारी के सिर से माँ जमुना देवी का साया उठ गया। पिता ने बेटे की तरह उनका लालन-पालन किया। उन्होंने अपनी बेटी को घुड़सवारी तथा अस्त्र-शस्त्र संचालन सिखाए। उन्होंने झांसी की रानी की सेवा में तोपची के रूप में नियुक्त युवक पूरन सिंह कोरी के साथ झलकारी बाई का विवाह कर दिया। पूरन ने ही पहली बार रानी से झलकारी बाई को मिलवाया। रानी झलकारी बाई से पहली बार में बहुत प्रभावित हुई और उन्हें अपनी सेना में नियुक्त कर लिया। अपनी सूझबूझ, संगठन क्षमता और अस्त्र-शस्त्र संचालन में कुशलता के चलते वह जल्दी ही रानी की विश्वास पात्र बन गई। सेवा में नियुक्त होने के थोड़े दिन बाद ही अंग्रेज फौज ने झांसी पर घेरा डाल दिया। रानी लक्ष्मीबाई ने आपातकालीन युद्ध परिषद की बैठक बुलाई। इसी बैठक में झलकारी बाई ने रानी के सामने प्रस्ताव रखा कि दुश्मन को धोखे में डालने के लिए आपका वेश धारण करके मैं छोटी सी टोली के साथ रहकर अंग्रेजी सेना पर आक्रमण करूं। दुश्मन मुझे रानी समझकर पकड़ने के लिए पीछा करें, तभी आप दूसरे मोर्चे से किले से निकल जाईएगा। रानी को झलकारी बाई की योजना बहुत पसंद आई लेकिन उन्होंने झलकारी की जान जोखिम में डालने के लिए प्रस्ताव खारिज कर दिया।

झलकारी ने फिर कहा कि भारत माता को आपकी जरूरत है। मेरे रहने और न रहने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस पर रानी लक्ष्मी बाई योजना से सहमत हुई और झलकारी को अपनी छाती से चिपक कर कहा कि जिस राज्य में झलकारी की तरह की वीर नारियां हैं, उस राज्य का दुश्मन कभी भी बाल बांका नहीं कर सकता। झांसी की रानी को अपने ही गद्दारों से परेशान थीं।

झलकारी बाई की इस योजना को भी राज्य का एक गद्दार एक अंग्रेज सैनिक को बताने जा ही रहा था कि झलकारी वहां पहुंच गई और अपनी तलवार से उसका सिर कलम कर दिया। गद्दारों की वजह से ही अंग्रेजी सेना महलों में घुसने में सफल हुई। मजबूरी में रानी को महल छोड़ना पड़ा। तब झलकारी ने योजना के अनुसार ही अंग्रेजी सेना से मोर्चा संभाला और झांसी की रानी सुरक्षित राजकुमार को लेकर महल से निकल गईं।

अंत में ब्रिटिश फौजियों द्वारा झलकारी बाई को गिरफ्तार करके कड़े पहरे में रखा गया लेकिन झलकारी बाई अवसर पाकर रात में भाग निकलने में कामयाब हो गईं और दूसरे दिन पति के साथ किले पर फिर मोर्चा संभाल लिया। अंग्रेजी फौज से बहादुरी से लड़ते हुए पति पूरन सिंह और झलकारी बाई अंग्रेजों द्वारा बरसाए गए गोलों से एक साथ बलिदान हो गए। आखिरी सांस लेने के पहले झलकारी बाई द्वारा ‘जय भवानी’ का किया गया नाद आज भी झांसी के किले में जब-कब देशभक्तों को सुनाई पड़ जाता है। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का वेशधर कर अंग्रेजों को झांसा देकर वीरगति को प्राप्त करने वाली वीरांगना झलकारी बाई की आज 194वीं जयंती है। ऐसी वीरांगना को जन्म जयंती पर शत-शत नमन..

शार्ट-सर्किट से टीवी में ब्लास्ट, एक-डेढ़ लाख का नुकसान

बैतूल। शार्ट सर्किट से टीवी में ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट इतना जोरदार था कि पूरे मोहल्ले में टीवी फटने की आवाज फैल गई। जिसे सुनकर लोग मौके पर जमा हो गए। देखते-देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। दमकल को तुरंत आगजनी की सूचना दी गई। जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। घटना मुलताई के तिलक वार्ड की है। मकान मालिक सोनू सोनी ने बताया कि सुबह लगभग 9.30 बजे टीवी में जोरदार ब्लास्ट हुआ और उसके बाद घर में आग लग गई। जिस समय घर में आग लगी, उस समय सभी लोग घर में थे, लेकिन किसी को कोई चोट नहीं लगी है। आग लगते ही सब घर से बाहर भाग गए और तुरंत ही दमकल को इसकी सूचना की दी गई। सूचना पाकर दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया है। आगजनी की घटना में टीवी, सोफा सेट, नगदी रुपए सहित घर का अन्य सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया है। जिसमें पीड़ित को लगभग एक से डेढ़ लाख रुपए का नुकसान होने की बात कही जा रही है।

ट्रक से निकला पहिया, बाइक से टकराने से दो गिरकर घायल

बैतूल। ग्राम जामठी के पास रोड पर चलते ट्रक के टायर बोल्ट अचानक टूट गया, जिससे ट्रक का टायर बाहर निकल कर साइड से चल रही बाइक से टकरा गया। टायर की वजह से बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और बाइक सवार मामा और भांजा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दलप धुर्वे (42) निवासी ग्राम कुंडी और उसकी मामा इंदल सिंह उइके (75) निवासी ग्राम कुंडी तहसील शाहपुर बाइक से खेत का पानी का पंप सुधारने के लिए बैतूल आ रहे थे। तभी रास्ते में जामठी के पास हादसे का शिकार हो गये। जब राहगीरों ने बाइक सवारों को सडक़ पर पड़ा हुआ देखा तो इसकी सूचना डायल हंड्रेड को दी। डायल हंड्रेड घटनास्थल पहुंची और दोनों ही घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। फिलहाल दोनों ही घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां पर डॉक्टरों द्वारा घायलों का उपचार किया जा रहा है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

पुलिस ने महिला के पास से दो किलो गांजा किया बरामद

बैतूल/ मुलताई। मुलताई पुलिस ने एक महिला के पास से गांजा बरामद किया है। फिलहाल पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी मुलताई राजेश सातनकर ने बताया कि बोरी में गांजा भर कर नेशनल हाईवे बटर फ्लाई ब्रिज के पास एक महिला बैठी होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस दल को मौके पर रवाना किया गया, जहां ढूंढने पर एक महिला पेड़ के नीचे सफेद बोरी लेकर बैठी नजर आई। पुलिस को आता देख महिला भागने की कोशिश करने लगी। पुलिस ने उक्त संदिग्ध महिला को पकड़कर तलाशी ली। जिसमें महिला के पास बोरी में दो किलो चार सौ ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा प्राप्त हुआ। महिला को थाना मुलताई लाया गया है। जहां उससे अवैध गांजे के बारे में पूछताछ की गई। महिला पर एनडीपीएस एक्ट 8/20 के अंतर्गत कार्रवाई कर मामले को जांच में लिया गया है। कार्रवाई में एएसआई एमएल गुप्ता, प्रधान आरक्षक गजराज सिंह, आरक्षक अरविंद, विवेक, महिला आरक्षक मेघा धुर्वे शामिल रहीं।

गौवंश मामले में फरार चार आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

बैतूल। गौवंश तस्करी के मामले में फरार आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इस घटना में शामिल आरोपी आठवां मिल फोर लेन के पास देखे गए हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मुखबिर द्वारा बताए स्थान से शेख सिराज कुरैशी,(40) कोठी बाजार बैतूल, तौसिफ हफीज (25), आर्यपुरा, वार्ड नं. 20, टिकारी बैतूल, राजू विश्वकर्मा (56,) भगत सिंह वार्ड बैतूल और देवेंद्र अदमने (31) ग्राम कोलगांव गौलीढाना बैतूल को संदिग्ध अवस्था में घूमते पकड़ा। चारों को पूछताछ के लिए पुलिस चौकी पाढर लाया गया। पूछताछ में सभी आरोपियों ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। टीआई रविकांत डहरिया ने बताया कि पिछले 15 जुलाई को कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक बिना नंबर की सिल्वर रंग की कार में गोवंश को अवैध रूप से परिवहन कर बैतूल से झाड़ेगांव जंगल की ओर ले जाया जा रहा है। जिस पर झाड़ेगांव रोड स्थित हाईवे अंडरब्रिज पर नाकाबंदी की गई। कुछ समय बाद एक सिल्वर कार पारधी ढाना की ओर से आती दिखाई दी। पुलिस ने कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी कार लेकर भाग निकले। पुलिस टीम ने पीछा करते हुए झाड़ेगांव-अमडोल जंगल में कार को बरामद किया। मौके पर 4 गोवंश बंधे हुए मिले। कार के अंदर से गोबर और पीछे की सीट निकाली हुई पाई गई थी और आरोपी फरार थे। पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। पुलिस ने आखिरकार गौवंश मामले में फरार आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों ने पूछताछ में घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

किसानों ने कलेक्टर से की शिकायत, लाइनमेन और सुपरवाइजर पर लगाया आरोप

बैतूल। आठनेर तहसील के ग्राम जामापाटी में अस्थाई बिजली कनेक्शन के बिल वसूली में हेरा फेरी करने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली कंपनी के लाइनमेन बब्बा लांगे और सुपरवाइजर दुलीचंद मरकाम ने तीन माह के अस्थाई कनेक्शनों के लिए वसूले गए बिल की रसीदें देने से मना कर दिया। इसके विरोध में गांव के किसानों ने कलेक्टर से शिकायत कर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। जामापाटी के करीब 40 किसानों ने कृषि कार्य के लिए तीन माह के अस्थाई मोटर पंप कनेक्शन लिए थे। इन कनेक्शनों का बिजली बिल ग्रामीणों से वसूल तो कर लिया गया, लेकिन रसीद नहीं दी गई। शिकायतकर्ताओं में शीकलचंद बरोदे, राजू मुलिक, राजू कुमरे, शेषराव, और पप्पू बरोदे ने बताया कि जब उन्होंने भुगतान की रसीद मांगी, तो लाइनमेन और सुपरवाइजर ने टालमटोल की और कहा, आपको रसीद की क्या आवश्यकता है। ग्रामीणों का कहना है कि 40 अस्थाई कनेक्शनों में से सिर्फ 15-20 किसानों को ही रसीद दी गई। बाकी कनेक्शन धारकों को धमकाकर चुप रहने को कहा गया। जब ग्रामीणों ने इस अन्याय का विरोध किया, तो उन्हें कनेक्शन काटने की धमकी दी गई। सभी ग्रामीणों के अस्थाई बिजली कनेक्शन 20 नवंबर को काट दिए गए। इससे ग्रामीणों को कृषि कार्य में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सभी किसानों को उनकी भुगतान की गई राशि की रसीद दी जाए और दोषी अधिकारियों पर सख्त कदम उठाए जाएं।

जिले में अब तक 6247 मैट्रिक टन डीएपी और 4282 मैट्रिक टन एनपीके का वितरण

डीएपी की डिमांड नहीं हो रही कम, अधिकारी बोले - एनपीके और डीएपी में खास अंतर नहीं

● **खाद संकट का फायदा उठा रहे दुकानदार**

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले में किसानों को डिमांड के अनुरूप अब तक 6247 मैट्रिक टन डीएपी का वितरण किया जा चुका है, फिर भी डीएपी की मांग कम होने का नाम नहीं ले रही है। इस बार डीएपी खाद कम आ रहा है और उसके स्थान पर किसानों को एनपीके खाद दिया जा रहा है, लेकिन किसानों की जिद है कि उन्हें डीएपी खाद ही दिया जाए। इस स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा अपने स्तर पर अधिकारियों से संपर्क साध कर डीएपी बुलवाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि उनको जरूरत के अनुसार खाद नहीं मिल पा रहा है। बाजार में इन दिनों वैकल्पिक खाद भी उपलब्ध है लेकिन किसान उसका उपयोग नहीं कर रहे हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने भी किसानों को सलाह दी है कि वह खाद के पीछे बोवनी में विलंब न करें। बाजार से मिल रहे एनपीके का उपयोग करें, फसल के परिणाम प्रभावित नहीं होंगे। बशर्ते सही मात्र, सही समय और सही विधि से उसका उपयोग करें। गौरतलब रहे कि बैतूल जिले में 3 लाख 88 हजार 750 हेक्टेयर क्षेत्र में रबी सीजन की बोवनी होना है। बोवनी करने के लिए किसान युद्ध स्तर पर जुटे हुए हैं।

पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा डीएपी, एमआरपी रेट से ज्यादा पर बेचा जा रहा - डीएपी खाद को लेकर इन दिनों बाजार में मारामारी और कालाबाजारी जमकर हो रही है। किसान सुबह से खाद लेने के लिए सोसायटियों में पहुंच जाते है, लेकिन उन्हें डीएपी की जगह एनपीके खाद ही मिल पा रही है। डीएपी नहीं मिलने से किसान परेशान है। किसानों ने बताया कि जो खाद मिल रहा है, वह प्रिंट रेट से 100 से 200 रुपये तक ज्यादा पैसे लिए जा रहे हैं और वह भी पर्याप्त नहीं मिल पा रहा है। जिससे किसानों को बोवनी करने में दिक्कतें आ रही है। खासकर अधिक मात्रा में बुआई करने वाले किसानों के सामने सबसे ज्यादा परेशानी खाद की है। पर्याप्त खाद नहीं मिलने से वह एक साथ बुआई नहीं कर पा रहे है। सोसायटियों से जैसे-जैसे खाद और यूरिया आ रहा है। उसी के तहत बोरियों वितरण की संख्या निर्धारित की जाती है। वहीं डीएपी के नाम पर प्रिंट एमआरपी रेट से ज्यादा पर एनपीके बेचा जा रहा है। वहीं कई जगहों पर यूरिया लेने पर साथ में जबरन नैनो यूरिया थमाया जा रहा है। डीएपी के विकल्प के रूप में जो एनपीके आया है वह भी बोरी पर प्रिंट रेट से अधिक दाम पर बेचा जा रहा है। हमारे संवाददाता ने जब खाद की दुकानों पर पड़ताल की, तो किसान परेशान मिले। उनका कहना है कि बोरी से रेट घिसकर मिटाए जा रहे हैं।

किसान बोले, पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा डीएपी- किसानों का कहना है कि एनपीके, डीएपी से महंगी है। डीएपी 1350 रुपये में किसानों को उपलब्ध होती है, जबकि एनपीके का मूल्य 1800 के करीब है। एनपीके लेने और उपयोग करने से खेती की लागत बढ़ जायेगी। एनपीके की एक बोरी खरीदने पर किसानों को करीब 300 से 450 रुपये अधिक मूल्य चुकाना पड़ रहा है। लागत बढ़ने से किसानों को मुनाफा कम हो जायेगा। किसानों ने बताया कि कृषि सेवा केन्द्र पर डीएपी मिल भी रही है तो अधिक दाम चुकाने पड़ रहे है। इसके अलावा कुछ दुकानों पर जहां डीएपी के रेट सहीं थे, वहां नैनो यूरिया लेने की भी मजबूरी है। दुकानदार डीएपी के साथ यूरिया लेने के लिए भी बाध्यता रख रहे है। ऐसे में किसानों के सामने संकट खड़ा हो गया है।

कृषि विभाग का दावा, 695 मीट्रिक टन डीएपी मौजूद- कृषि विभाग के अधिकारियों की मानें तो डीएपी और एनपीके में कोई अंतर नहीं है। दोनों मेनुअली समान है, लेकिन किसान केवल डीएपी पर ही भरोसा करते है। कृषि अधिकारियों की मानें तो जिले में अभी तक 6247 मीट्रिक टन डीएपी और 4282 मीट्रिक टन एनपीके का वितरण किया जा चुका है। अभी भी 695 मीट्रिक टन डीएपी और 884 मीट्रिक टन एनपीके मौजूद है। अधिकारियों का कहना है कि 2750 मैट्रिक टन आईपीएल, डीएपी लोडिंग में आ गई है। यह करीब तीन दिन यानि 24 नवंबर तक मिल जायेगी। अभी जिले में 62 फीसदी बुआई कार्य हो चुका है। बुआई भी बहुत कम बची है।

इनका कहना -

डीएपी कम आ आया है। अभी तक 6247 मीट्रिक टन डीएपी और 4282 मीट्रिक टन एनपीके का वितरण किया जा चुका है। शासन भी एनपीके को प्रमोट कर रहा है। किसान शुरू से डीएपी पर भरोसा करते आये है इसलिए एनपीके के इस्तेमाल को लेकर संदेह में रहते है, लेकिन डीएपी और एनपीके में कोई खास अंतर नहीं है। और रही बात एमआरपी रेट से ज्यादा में बेचने की, तो एमआरपी से ज्यादा पर बेचना सरासर गलत है। ऐसी दुकानों की जांच करवाएंगे जिससे सभी किसान बंधुओं को बिना परेशानी उचित मूल्य पर उर्वरक मिल सके।

- डॉ. आनंद बडोनिया, उप संचालक कृषि

डीएपी खाद की कमी से किसानों की बोवनी रुकी

महंगे दामों पर खरीदने को मजबूर

भौरा। नगर और आसपास के गांवों में डीएपी की भारी कमी से किसानों को गेहूं की बोवनी में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कृषि साख सेवा सहकारी समिति भौरा, जो 3600 किसानों की आपूर्ति का मुख्य केंद्र है, को अभी तक पर्याप्त मात्रा में डीएपी नहीं मिल पाई है। हांडीपानी के किसान जग्गू अखंडे ने कहा मेरे पास 5 एकड़ खेती है, जहां गेहूं की बोवनी करनी है। पिछले 15 दिनों से सोसाइटी के चक्कर काट रहा हूं, लेकिन डीएपी नहीं मिल पाई। अब

बोवनी लेट हो रही है। टेटर गांव के ओझा इवने, जिनके पास 10 एकड़ खेती है, ने बताया कि डीएपी न मिलने के कारण बाजार से महंगे दामों पर खाद खरीदनी पड़ी। इससे लागत बढ़ रही है। हांडीपानी के महादेव मर्सकोले ने बताया कि गेहूं की बोवनी का सबसे अच्छा समय 15 नवंबर तक है। यदि खाद और एक हफ्ते में नहीं मिली, तो तेज धूप के कारण पैदावार पर बुरा असर पड़ेगा। सोसाइटी में डीएपी की कमी के कारण किसानों को 2000 प्रति बैग की दर से बाजार से खाद खरीदनी पड़ी। कामठी गांव के नकुल चोरे और गुरगुंदा गांव के कैलाश उईके ने बताया कि डीएपी की कमी से उत्पादन लागत बढ़ रही है। संस्था प्रभारी और विपणन अधिकारी के अनुसार खाद की रैंक आने के बाद आपूर्ति शुरू हो जाएगी। हालांकि किसानों ने मांग की है कि प्रशासन समय पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करे, ताकि गेहूं की बोवनी समय पर पूरी हो सके। प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि जल्द से जल्द डीएपी की आपूर्ति सुनिश्चित कर किसानों को राहत दी जाएगी।

इनका कहना है -

डीएपी की रैंक एक-दो दिन में बैतूल पहुंचेगी। इसके दो दिन बाद सोसाइटी में डीएपी पहुंचाई जाएगी और किसानों को वितरण किया जाएगा। हम किसानों की समस्या को लेकर गंभीर हैं और खाद की उपलब्धता जल्द सुनिश्चित करेंगे।

- प्रदीप ग्रेवाल, जिला विपणन अधिकारी

गांवों से लेकर शहरों तक होगा चहुमुँखी विकास : विधायक खंडेलवाल

मुख्यमंत्री विशेष निधि से 45 लाख के विकास कार्यों की दी सौगात

कोलगॉव, छाता, गोंडीगौला में बनेंगे सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन

बैतूल। विधायक हेमंत खण्डेलवाल द्वारा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण सहित शहरी इलाकों में विभिन्न योजनाओं से विकास और निर्माण कार्यो की सौगात दी जा रही है। 21 नवम्बर को बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल ने जनपद पंचायत बैतूल अंतर्गत कोलगांव, छाता, सेलगांव बारव्ही, गोडीगौला ग्रामों में मुख्यमंत्री विशेष निधि से स्वीकृत लगभग 45 लाख रूपये की लागत के विकास कार्यो का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री विशेष निधि से कोलगांव, छाता, गोडीगौला ग्रामो में 12-12 लाख की लागत से सामुदायिक भवनों एवं सेलगॉव बारव्ही में 8 लाख 92 हजार रूपये की लागत से बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जायेगा। भूमिपूजन कार्यक्रमो में ग्रामीण से संवाद के दौरान बैतूल विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में गॉवो से लेकर शहरों तक चहुंमुखी विकास किया जायेगा। मूलभूत सुविधाओं के साथ हर क्षेत्र में विकास के लिए केन्द्र एवं मध्यप्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं से विकास एवं निर्माण कार्य स्वीकृत करवाए जा रहे है। ग्रामीणों से संवाद के दौरान बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि ग्रामीणों की आवश्यकता और समस्याओं को चिन्हित कर विकास और निर्माण कार्य स्वीकृत करवाए जा रहे है। ग्रामीण इलाको में धार्मिक, सामाजिक सहित अन्य आयोजनों की सुलभता के लिए सर्वसुविधा युक्त सामुदायिक भवनों का निर्माण करवाया जा रहा है। जिससे हर मौसम में ग्रामीणों को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की सुविधा मिलेगी। उन्होनें मौके पर मौजूद अधिकारियों, इंजीनियरों से कहा कि निर्माण कार्यो की गुणवत्ता का विशेष ध्यान दें। उच्च गुणवत्ता की निर्माण सामग्री का उपयोग करना सुनिश्चित करने के साथ ही निर्माण कार्यो की सतत मॉनिटरिंग करें।

रोजगार पर रहेगा फोकस- बैतूल विधायक श्री खंडेलवाल नें कहा कि बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के लिए सतत काम किया जा रहा है। इसके साथ ही उनका फोकस युवाओं और महिलाओं को रोजगार दिलवानें पर रहेगा। रोजगार के लिए जिले में उद्योग स्थापित किए जा रहे। साथ ही युवाओं के स्किल डेव्हलपमेंट के लिए ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे है। स्वसहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोडकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। निर्माण विकास कार्यों के भूमिपूजन के दौरान भाजपा जिला महामंत्री सुधाकर पवॉर, बैतूल बजार मंडल अध्यक्ष सुनील पवॉर, जनपद उपाध्यक्ष कृष्णा लोखण्डे, कमलेश राठौर, जनपद सदस्य सुमन नर्रे,सरपंच श्रीमति सरिता वाड़ीवा सहित अधिकारीगण, ग्रामीण मौजूद रहे।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने तहसील कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

बैतूल। संभागायुक्त नर्मदापुरम के.जी. तिवारी ने गुरुवार को बैतूल तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नायब तहसीलदार न्यायालय और तहसीलदार न्यायालय का भी निरीक्षण कर राजस्व न्यायालयों में पारित आदेशों का राजस्व अभिलेखों में आवश्यक रूप से अमल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व महा अभियान की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित कराएं। परंपरागत रास्तों के चिन्हांकन कार्य में भी गति लाएं। इसके अलावा उन्होंने राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम राजीव कहार को निर्देश दिए कि अपने अधीनस्थ न्यायालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि राजस्व न्यायालय के प्रकरणों में आरसीएमएस पोर्टल के माध्यम से ही तारीख लगाई जाए। इस अवसर पर कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डांस करने के बाद कुर्सी पर बैठते ही गिरा शिक्षक, मौत

बैतूल। डांस करने के बाद कुर्सी पर बैठे-बैठे ही शिक्षक गिर गये, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने शिक्षक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात जैन दादावाड़ी में पूर्व डीपीसी के बेटे के शादी समारोह में मेहंदी की रस्म चल रही थी। सभी डांस कर रहे थे। डांस के बाद शिक्षक संदीप ठाकरे कुर्सी पर बैठे और गिर गए। उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी से मिली जानकारी के मुताबिक टीचर संदीप ठाकरे (46) के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्ट्म रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएंगे।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण में बीएलओ किसी भी प्रकार न करें गलती

बैतूल। संभागायुक्त नर्मदापुरम के.जी.तिवारी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मतदाता सूची वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 की समीक्षा बैठक ली। संभागायुक्त श्री तिवारी ने कहा कि मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान होने वाली गतिविधियों की जानकारी आसानी से मतदाताओं तक पहुंच जाए, इसके लिए जिलेभर में स्वीप गतिविधि का आयोजन किया जाए। इसके अलावा यह सुनिश्चित किया जाए कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ किसी भी प्रकार की

त्रुटि न करें, जिससे मतदाताओं को बाद में परेशानियों का सामना करना पड़े। उन्होंने ऐसे मतदान केंद्र जहां पर 18-19 साल के युवा मतदाताओं के नाम पर्याप्त संख्या में नहीं जुडे हैं, उन मतदान केंद्र के युवा मतदाताओं का नाम जोडने के विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से उनके सुझाव भी लिए गए।

संभागायुक्त नर्मदा पुरम श्री तिवारी ने कहा कि कई मतदान केंद्र ऐसे हैं, जहां पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या काफी कम है, उन जगहों पर महिला मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ने का कार्य किया जाए। जिन ब्लॉकों में मतदाता जनसंख्या अनुपात कम है वहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में विधायक हेमंत खंडेलवाल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद, एसडीएम राजीव कहार सहित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बुधनी विधानसभा का पहले आएगा रिजल्ट

विजयपुर में 16, बुधनी में 13 राउंड में पूरी होगी ईवीएम की काउंटिंग

भोपाल (नप्र)। श्योपुर जिले की विजयपुर एवं सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा में हुई वोटिंग के बाद मतगणना की तैयारियां जिला निर्वाचन अधिकारियों ने पूरी करा ली हैं। राउंडवार गणना के आधार पर पहले बुधनी और फिर विजयपुर विधानसभा उपचुनाव का परिणाम घोषित होगा।

23 नवंबर को सुबह 8 बजे से मतगणना आरंभ होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारी को मतगणना के लिए सभी सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

विजयपुर के लिए 16 और बुधनी के लिए लगेंगी 14 टेबल्स- विजयपुर विधानसभाः मतगणना शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज श्योपुर में होगी। इस विधानसभा क्षेत्र के 327 मतदान केंद्रों में मतों की गणना के लिए 16 टेबल लगाई जाएंगी। मतगणना 21 राउंड में कराई जाएगी।

बुधनी विधानसभा- मतगणना शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में होगी। 14-14

टेबल लगाई जाएंगी। 363 मतदान केंद्रों में मतों की गणना के लिए 2 कक्षों में 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। मतगणना 13 राउंड में कराई जाएगी।

मतगणना स्थल पर थ्री लेयर सिक्योरिटी- मतगणना स्थल पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। केवल अधिकृत व्यक्ति ही यहां प्रवेश कर सकेंगे। कोई भी अनधिकृत व्यक्ति मतगणना सेंटर में प्रवेश नहीं कर सकेगा। मतगणना कर्मियों का तीन लेवल पर रेंडमाईजेशन होगा। हर मतगणना टेबल पर एक काउंटिंग सुपरवाईजर, एक काउंटिंग असिस्टेंट, एक काउंटिंग स्टॉफ तथा एक माइक्रो ऑब्जर्वर रहेगा।

मतगणना हॉल के भीतर पासधारी उम्मीदवार, निर्वाचन अभिकर्ता, मतगणना एजेंट को कोरा कागज, मतपत्र लेखा प्रारूप 17 सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सूची जो विभिन्न मतदान केंद्रों में प्रयोग में लाई गई है तथा प्लास्टिक पेन या पेंसिल ले जाने की अनुमति रहेगी।

मतगणना कक्ष में ये सामग्री नहीं ले जा पाएंगे- मतगणना हॉल में मोबाइल फोन, आईपैड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बीड़ी, सिगरेट और गुटखा प्रतिबंधित रहेगा। किसी को भी मतगणना हॉल में मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी ढ्ढ केवल आरओ, एआरओ, काउंटिंग सुपरवाइजर जो ईटीपीबीएमएस या इनकोर से जुड़े हैं, वे केवल ईटीपीबीएमएस, इनकोर ओपन करने के लिए ओटीपी के लिए मोबाइल ले जा सकेंगे।

मध्यप्रदेश में पहली बार जंगली हाथी की रेडियो कॉलरिंग

भोपाल (नप्र)। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र के एक नर जंगली हाथी को 20 नवम्बर को सफलतापूर्वक सेटेलाइट रेडियो कॉलर पहनाया गया। रेडियो कॉलर पहनाने के बाद जंगली हाथी को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र ताला की बीट दमना के कक्ष क्रमांक 332 में छोड़ा गया। जंगली हाथी के रेडियो कॉलरिंग के समय

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र संचालक, सहायक संचालक, वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के श्री साकेत भाले, डॉ. शुभांकर, डब्ल्यूसीटी के डॉ. प्रशांत देशमुख और विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव श्री एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि मध्यप्रदेश में पहली बार जंगली हाथी की रेडियो कॉलरिंग की गई है। उन्होंने बताया कि यह हाथियों के विचरण, व्यवहार और आवास के क्षेत्र के अध्ययन में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

उल्लेखनीय है कि उक्त जंगली हाथी को 2 मार्च 2024 को वन परिक्षेत्र जयसिंह नगर, उत्तर शहडोल की बीट वन चाचर से रेस्क्यू किया गया था।

समर्थन मूल्य पर ज्वार, बाजरा की खरीदी 22 नवंबर से: खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ज्वार, बाजरा की खरीदी 22 नवंबर से शुरू की जा रही है। खरीदी 20 दिसम्बर तक की जायेगी। ज्वार मालदण्डी का 3421 रूपये, ज्वार हाईब्रिड का 3371 रूपये और बाजरा का समर्थन मूल्य 2625 रुपये है। किसानों से एफएक्यू गुणवत्ता की उपज इन्हीं दरों पर उपार्जित की जायेगी।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि उपार्जन प्रत्येक सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक होगा। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय पर उपार्जन केन्द्रों पर पहुंचकर ज्वार और बाजरा की बिक्री करें। उल्लेखनीय है कि बाजरा के लिये 9 हजार 854 और ज्वार के लिये 5 हजार 933 किसानों ने पंजीयन कराया है।

भुगतान व्यवस्था

समर्थन मूल्य पर ज्वार एवं बाजरा की खरीदी के बाद भुगतान, कृषक पंजीयन के दौरान आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में किया जायेगा। ज्वार एवं बाजरा उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी राज्यों से उपार्जन केन्द्र पर लायी जाने वाली उपज की अवैध बिक्री को रोकने के लिये समुचित कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गये हैं। जिला स्तरीय समिति उपार्जन संबंधी सभी विवादों का अंतिम निराकरण तथा उपार्जित खाद्यान्न की गुणवत्ता की निगरानी करेगी। राज्य स्तर पर एक कंट्रोल-रूम भी स्थापित किया गया है। इसका टेलीफोन नम्बर 0755-2551471 है। उपार्जन अवधि में कंट्रोल रूम सुबह 9 से शाम 7 बजे तक संचालित रहेगा।

भारतीय वन सेवा के दो अधिकारी स्थानांतरित

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन द्वारा भारतीय वन सेवा के दो अधिकारियों को प्रशासकीय हित में स्थानांतरित किया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) श्री व्ही.एन. अम्बाडे मुख्यालय भोपाल को प्रबंध संचालक म.प्र. राज्य वन विकास निगम, भोपाल (प्रतिनियुक्ति पर) और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वित्त एवं बजट) श्री शुभरंजन सेन को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) मुख्यालय, भोपाल स्थानांतरित किया गया है।

मध्यप्रदेश में निरंतर बढ़ रहा है सिंचाई का रकबा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है, जो सबसे ज्यादा फिक्र अपने अन्नदाता की करती है। सरकार निरंतर हर खेत तक पानी पहुंचाने के कार्य कर रही है। जल संसाधन विभाग की विभिन्न वृहद, मध्यम एवं सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं से मध्यप्रदेश में निरंतर सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है। सिंचाई की समुचित व्यवस्था हो जाने से अब किसान 2 फसलों के स्थान पर 3 फसल लेने लगे है। इससे उत्पादन में भी वृद्धि हुई है और किसान समृद्ध भी हो रहे है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 3 लाख हेक्टेयर था, आज बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश की निर्मित और निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश में वर्ष 2025-26 तक सिंचाई का रकबा लगभग 65 लाख हेक्टेयर होने की संभावना है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए प्रदेश में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। सरकार ने विभाग के लिए बजट में भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया है। वर्ष 2024-25 के बजट में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं में केन-बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी नदी जोड़ों राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुषंगिक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा कछार में बीना काम्पलेक्स, कोटा बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना सम्मिलित है। परियोजना से मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी एवं दमोह जिलों में माइक्रो इरिगेशन से केन कछार में 4.5 लाख हेक्टेयर, बेतवा कछार के विदिशा, रायसेन, सागर, शिवपुरी एवं दतिया जिलों में 2.06 लाख हेक्टेयर तथा उत्तरप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के बांदा, महोबा और झांसी जिलों में 2.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के साथ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना से उत्पन्न होने वाली 103 मेगावाट जल विद्युत तथा 27 मेगावाट सौर ऊर्जा पर पूरा अधिकार मध्यप्रदेश का होगा।

परियोजना के द्वितीय चरण की डीपीआर राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण द्वारा वर्ष 2014 में तैयार की गई। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश द्वारा बेतवा कछार में अंतिम रूप से प्रस्तावित 3 परियोजनाएं: बीना परिसर से 96 हजार हेक्टेयर, कोटा बैराज से 20 हजार हेक्टेयर तथा लोअर ओर परियोजना से 90 हजार हैक्टेयर सिंचाई प्रस्तावित है। साथ ही परियोजनाओं से 66.7 मिलियन घन मीटर पेयजल एवं मांग आधार पर उद्योगों हेतु जल का प्रावधान रखा गया है। परियोजना की सभी वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त हो चुकी हैं। मध्यप्रदेश में द्वितीय चरण की परियोजना का कार्य प्रगति पर है। परियोजना के कार्यान्वयन के लिए मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश एवं केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय के बीच एक त्रिपक्षीय सहमति ज्ञापन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए केंद्रीय मंत्रि-परिषद द्वारा 44 करोड़ 605 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना को 8 वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना एक अन्य महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसके लिए मध्यप्रदेश, राजस्थान और केंद्र सरकार के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ है। इस परियोजना से प्रदेश के 10 जिलों को लाभ मिलेगा। केन-बेतवा लिंक परियोजना, संशोधित पार्वती-कालीसिंध परियोजना और नर्मदा घाटी की अन्य प्रस्तावित महत्वपूर्ण परियोजनाओं से प्रदेश में 19 लाख 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा बढ़ेगी। प्रदेश में 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' के उद्देश्य की पूर्ति के लिए 133 वृहद् एवं मध्यम प्रेशराइज्ड सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली आधारित परियोजना निर्माणाधीन है। प्रदेश में 1320 करोड़ रुपए की लागत वाली चितरंगी दाब युक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना स्वीकृत हुई है। इस परियोजना से सिंगरौली जिले में 32 हजार 125 हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र विकसित होगा। इसी प्रकार 4197 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से जावद-नीमच दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को भी स्वीकृत किया गया है। नीमच जिले में इस परियोजना से 18 हजार 600 हेक्टेयर में सिंचाई क्षेत्र विकसित होगा।

गैर परंपरागत स्रोतों से ऊर्जा उत्पादन में प्रदेश रहेगा अग्रणी : मंत्री श्री शुक्ला

ऊर्जा विकास निगम ने दो संस्थाओं के साथ किए एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित

भोपाल (नप्र)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि गैर परंपरागत स्त्रोतों से ऊर्जा उत्पादन के सतत् प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनेगा। गुरूवार को मंत्रालय में मंत्री श्री शुक्ला की उपस्थिति में भारतीय स्टेट बैंक के सीजीएम एमपी/सीजी हेड श्री चंद्रशेखर शर्मा और नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव के बीच एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित हुआ। इसके अतिरिक्त नवकरणीय ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने आईडी इनसाईट के साथ भी एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये।

भारतीय स्टेट बैंक एवं म.प्र. ऊर्जा विकास निगम लि. के मध्य एम.ओ.यू.- भारतीय स्टेट बैंक के साथ प्रदेश के ऊर्जा विकास निगम द्वारा एम.ओ.यू. करने का लाभ कृषकों एवं विकासकों को मिलेगा। प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री कुसुम योजना कुसुम 'ए' एवं कुसुम 'सी' के किसानों/विकासकों को ग्रामीण क्षेत्रों में 33/11 केव्ही विद्युत उप-केंद्रों पर सौर परियोजनाएं स्थापित करने के लिये सरलता से बैंक ऋण प्राप्त होगा। मुख्यालय स्तर पर एकल खिड़की प्रणाली की इस व्यवस्था से कृषकों/विकासकों को ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल होगी। इससे परियोजनाएं शीघ्र स्थापित हो सकेंगी। एम.ओ.यू. साइन होने से कृषक/विकासक प्रोत्साहित होंगे एवं प्रदेश में व्यापक स्तर पर परियोजनाएं स्थापित करने में मदद मिलेगी। कुसुम 'ए' में वर्तमान में 1500 मेगावॉट एवं कुसुम 'सी' में 2000 मेगावाट का लक्ष्य है।

आईडी इनसाईट एवं म.प्र. ऊर्जा विकास निगम लि. के मध्य एम.ओ.यू.- नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग और आईडी इनसाईट कंपनी के बीच भी गुरूवार को एएक अन्य एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये गये। इस एम.ओ.यू. के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन करने में मदद मिलेगी। इससे विभाग को कम खर्चे में परियोजनाओं की तकनीकी और आर्थिक साध्यता और उसके क्रियान्वन में सहयोग प्राप्त होगा। एम.ओ.यू. के हस्ताक्षरित होने के बाद सौर रूफ-टॉप योजना को प्रभावी तरीके लागू करने में मदद मिलेगी।

प्रदेश में एम.पी. ट्रांसको के 132 के.व्ही. के तीन सब-स्टेशन होंगे ऑटोमेटिक : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

पायलेट प्रोजेक्ट में भोपाल, इंदौर और जबलपुर के सब-स्टेशन शामिल

भोपाल (नप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि एम.पी. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी 132 केव्ही क्षमता वाले पुराने सब स्टेशनों को ऑटोमेटिक बनाने की तैयारी कर रही है। पहले पायलेट प्रोजेक्ट में जबलपुर, इंदौर और भोपाल के एक-एक सब-स्टेशन को चुना गया है। पूरी तरह से इन सब स्टेशनों को स्वचलित बनाने का काम जल्दी ही पूरा होगा। इन सब स्टेशनों को नजदीक के किसी एक प्रमुख सब-स्टेशन से संचालित एवं नियंत्रित किया जा सकेगा। प्रयोग के तौर पर 3 पुराने सब-स्टेशनों को पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लिया गया है, यदि सफलता मिली तो और भी पुराने सब-स्टेशनों को रिमोट से संचालित किया जा सकेगा। प्रदेश में दो जी.आई.एस. (गैस इंसूलेटेड स्विचगीयर) सब-स्टेशनों को पहले से ही ऑटोमेटिक संचालित किया जा रहा है। इनमें से एक महालक्ष्मी इंदौर में तथा दूसरा ई-8 अरेरा कालोनी भोपाल में क्रियाशील है।

वर्तमान में सब-स्टेशन का कार्य मैन्युअली होता है। सब-स्टेशनों के रिमोट आपरेशन से इनके संचालन और मानीटरिंग का कार्य सटीक होगा। इससे जहॉ मानव चूक के कारण होने वाली विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सकेगी, वहीं तकनीक के उपयोग से विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता में बढ़ोत्तरी होगी।

फुली ऑटोमेटिक रहेंगे सब-स्टेशन- यह सब-स्टेशन पूरी तरह ऑटोमेटिक मोड पर संचालित होंगे। इन्हें ह्यूमन मशीन इंटरफेस तकनीक से नियंत्रित किया जायेगा। भोपाल के 132 के.व्ही. सब-स्टेशन अयोध्या नगर, इंदौर के 132 के.व्ही. सब-स्टेशन सत्य साई एवं जबलपुर के 132 के.व्ही. सब-स्टेशन माढ़ोताल को अत्याधुनिक तकनीक के रिमोट ऑपरेटेड सब-स्टेशन में परिवर्तित किया जा रहा है। इस प्रयोग के सफल होने पर पावर ट्रांसमिशन कंपनी चुनिंदा 220 के.व्ही. सब-स्टेशन को भी रिमोट से संचालन करने की तैयारी की जायेगी। मध्यप्रदेश में एम.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी के 400 के.व्ही. के 14 सब-स्टेशन, 220 के.व्ही. के 88 सब-स्टेशन और 132 के.व्ही. सब-स्टेशन के 314 सहित कुल 416 सब-स्टेशन हैं। जी.आई.एस. (गैस इंसूलेटेड स्विचगीयर) सब-स्टेशनों को रिमोट से आपरेट करने में पहले ही सफलता हॉसिल हो चुकी है।

देश का सर्वश्रेष्ठ फिल्म अनुकूल राज्य है मध्यप्रदेश : प्रमुख सचिव श्री शुक्ला

गोवा में चल रहे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में म.प्र. टूरिज्म बोर्ड का नॉलेज सेशन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा गोवा में चल रहे 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आई.एफ.एफ.आई) का गोवा में सहभागित कर प्रदेश में फिल्म शूटिंग संभावनाओं का प्रचार किया। प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव और टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री शिव शेखर शुक्ला व अपर प्रबंध संचालक सुश्री बिदिशा मुखर्जी द्वारा फिल्म निर्माता, निर्देशक, अभिनेता व उद्योग से जुड़े हितधारकों से चर्चा कर प्रदेश में फिल्म परियोजनाओं की शूटिंग हेतु आंमत्रित किया।

फिल्म महोत्सव के दौरान टूरिज्म बोर्ड द्वारा गुरुवार को एक नॉलेज सेशन आयोजित किया। 'लाइट्स, कैमरा, सहयोगः मध्यप्रदेश में फिल्मांकन के लिए सरकार और उद्योग साझेदारी' श्रृंखला में प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला सहित फिल्म निर्देशक श्री अमर कौशिक, आमिर खान प्रोडक्शंस की सीईओ सुश्री अपर्णा पुरोहित, अभिनेता श्री अभिषेक बनर्जी, अभिनेता सुश्री नितांशी गोयल, अभिनेता श्री स्पर्श श्रीवास्तव और अभिनेता-निर्माता सुश्री वाणी टीकू त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने प्रदेश में फिल्म शूटिंग को प्रोत्साहित करने और राज्य को एक प्रमुख फिल्म निर्माण गंतव्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से म.प्र. फिल्म टूरिज्म पॉलिसी के विभिन्न बिंदुओं से अवगत कराया।

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा, 'मध्य प्रदेश को 2017 और 2020 के लिये दो बार फिल्म अनुकूल राज्य का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर गर्व है। प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक

विरासत, जीवंत वन्य जीवन और पवित्र आध्यात्मिक स्थलों से राज्य के विविध स्थान एक प्राकृतिक फिल्म सेट का रूप देते है। उन्होंने हाल ही में शूट की गई फिल्मों व वेब सीरिज (स्त्री-2, भूल भुलैया-3, लापता लेडीज, पंचायत, महारानी, गुल्क आदि) के उदाहरण देकर राज्य की लोकप्रियता का उल्लेख किया। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से फिल्म निर्माताओं को दी जाने वाली आर्थिक सहायता का विवरण दिया और शूटिंग की मंजूरी के लिए सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी सरल और पारदर्शी प्रक्रिया की जानकारी दी। श्री शुक्ला ने बताया कि, प्रदेश के ऐतिहासिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों, और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच आसान है। उक्त क्षेत्रों में सभी आवश्यक सुविधाएं जैसे बिजली, इंटरनेट, और परिवहन की व्यवस्था उपलब्ध है। शूटिंग के दौरान स्थानीय प्रशासन और समुदाय का पूर्ण सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि, देश में फिल्म शूटिंग के लिए म.प्र. की पहचान 'सस्ती और सुविधाजनक' गंतव्य के रूप में है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने फिल्म निर्माताओं से राज्य की लोकेशन पर फिल्म शूटिंग के लिए प्रस्ताव लाने का आग्रह किया और प्रशासन द्वारा शूटिंग में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। नॉलेज सेशन में फिल्म निर्माताओं ने मध्य प्रदेश की फिल्म टूरिज्म पॉलिसी की सराहना की। कई प्रोडक्शन हाउस ने राज्य में भविष्य की परियोजनाओं के लिए रुचि दिखाई।

फिल्म टूरिज्म पॉलिसी 2.0 जल्द-प्रमुख सचिव श्री शुक्ला- सेशन में प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने जानकारी दी कि, देशभर के फिल्मकारों, फिल्म उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों व हितग्राहियों से मिले सुझावों के आधार पर म.प्र. फिल्म टूरिज्म पॉलिसी में बदलाव किये जा रहे हैं। फिल्म टूरिज्म पॉलिसी 2.0 को जल्द जारी किया जाएगा। जो राज्य में फिल्म शूटिंग को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए तैयार की गई एक नवीन और समग्र नीति होगी। इसका उद्देश्य फिल्म निर्माताओं को अतिरिक्त सुविधाएं और प्रोत्साहन प्रदान करना है ताकि मध्यप्रदेश को भारत का शीर्ष फिल्म निर्माण स्थल बनाया जा सके। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं को आकर्षित करना, राज्य के अनछुए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देना, स्थानीय समुदाय और युवाओं को रोजगार के अवसर सृजित करने के लिये पॉलिसी में बदलाव किये जा रहे है।

कैंसर-योद्धाओं के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए एम्स भोपाल द्वारा विंटर आउटिंग का आयोजन

भोपाल (नप्र)। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, 12 नन्हे कैंसर योद्धाओं और उनके परिवारों के लिए डीबी सिटी मॉल में एक विंटर आउटिंग का आयोजन किया गया। यह आयोजन इन बच्चों और उनके परिवारों के लिए उपचार की कठिन दिनचर्या से बाहर निकलने का एक सुखद अवसर था। कई बच्चों और उनके परिवारों के लिए यह अनुभव पहली बार था, जिसने इस पल को और भी खास बना दिया। दिन भर की गतिविधियों में खेल, भोजन और कई इंटरैक्टिव सेशन शामिल थे, जिससे सभी के लिए एक सकारात्मक और उत्साहपूर्ण माहौल बना।

इस पहल की प्रशंसा करते हुए प्रो. सिंह ने कहा, हम केवल चिकित्सा देखभाल ही नहीं करते, बल्कि रोगियों के समग्र कल्याण पर भी ध्यान देते हैं। हमने इस पहल के माध्यम से बच्चों के जीवन में खुशी लाने का छोटा सा प्रयास किया है। इस आयोजन को सफल बनाने में एम्स भोपाल के कर्मचारियों का अमूल्य योगदान रहा, जो कैंसर

से जूझ रहे बच्चों के जीवन में खुशियां भरने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। यह पल कठिन समय से गुजर रहे बच्चों और उनके परिवारों के लिए यादगार रहेगा और एम्स भोपाल आगे भी ऐसे बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहेगा। बाल कैंसर देखभाल के क्षेत्र में काम करने वाली गैर सरकारी संगठन, कैनकिड्स ने इस विंटर आउटिंग के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राइट क्लिक

देश में 'सनातन धर्म बोर्ड' अभियान और कुछ सवाल...

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।

संपर्क-

9893699939

ajaybokil@gmail.com

बंटेगे तो कटेंगे' के बाद हिंदुत्व एजेंडे की राह में नई मुहिम अब 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' की है। हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समाज के हाथों में सौंपने की बात तो पहले से की जा रही थी। चार वर्ष पूर्व उत्तराखंड में भाजपा सरकार ने बद्रीनाथ समेत 51 मंदिरों का प्रबंधन देवस्थानम बोर्ड से लेकर पंडे पुरोहितों के हाथों में सौंप दिया था। हाल में यह मुद्दा सबसे पहले आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरूपति प्रसादम में मिलावट की बात सामने आने पर उठाया था। उसके बाद इसे हिंदू साधु संतों की दूसरी पंक्ति ने हवा दी। दूसरी पंक्ति इसलिए क्योंकि इन साधु संतों में परंपरागत हिंदू धर्माचार्यों से ज्यादा संख्या कारपोरेट शैली में काम करने वाले कथा वाचकों की है। उनका अपना आभामंडल और भक्तों की फौज है। इसी संदर्भ में देश के नामी कथा वाचक एवं सनातन न्यास फाउंडेशन के के अध्यक्ष देवकीनंदन ठाकुर की पहल पर बीते 16 नवंबर को दिल्ली में धर्म संसद का आयोजन कर 'सनातन धर्म बोर्ड' गठन की मांग पर मुहर लगाई। हिंदुत्व के मुख्य पैरोकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से इस बारे में खुलकर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन भाजपा के कुछ नेताओं, जिनमें त्रिपुरा के मत्स्यपालन मंत्री सुधांशु दास व भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर शामिल हैं, ने इस मांग का समर्थन किया है। बहरहाल देश में हिंदू मंदिरों के नियंत्रण और रखरखाव को राज्य सरकारों और प्रबंधन ट्रस्टों के कब्जे से मुक्त कर हिंदू संतो, पुरोहितों के हाथों में देने की व्यापक मुहिम की यह पहली पायदान है। हालांकि इस अभियान से कई बड़े और स्थापित संत अभी दूर हैं। ये वो संत हैं, जिनका भाजपा सरकारों में अच्छा रसूख है और संघ से भी उनके घनिष्ठ रिश्ते रहे हैं। फिलहाल प्रस्तावित सनातन धर्म बोर्ड का प्रारूप क्या हो, इस बारे में स्पष्टता नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि सिख गुरूद्वारा प्रबंधन की तर्ज पर यह बोर्ड काम कर सकता है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अनुसार प्रारूप तय करने के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। वैसे इस अभियान का राजनीतिक पहलू यह भी है कि देश में या तो मुस्लिमों के वक्फ बोर्ड को खत्म किया जाए या फिर कुछ उसी तर्ज पर संवैधानिक रूप से हिंदू सनातन बोर्ड गठित किया जाए।

उल्लेखनीय है कि इस साल सितंबर में सनातन धर्म रक्षा बोर्ड की जरूरत बताते हुए आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अब समय आ गया है कि पूरे भारत में मंदिरों से जुड़े सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' का गठन किया जाए। इस पर व्यापक बहस होनी चाहिए। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर ने देश की राजधानी दिल्ली में धर्मसंसद बुलाई। इसमें उन्होंने अन्य कथावाचकों और साधु संतों के अलावा राजनीतिक दलों के नेता जैसे मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जेपी नड्डा, अखिलेश यादव को भी निमंत्रण भेजा था। इनमें से कोई भी उसमें शामिल नहीं हुआ। इस धर्म संसद में 13 अखाड़ों से संतों के साथ ही हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, वाराणसी, तीर्थ नगरियों के कई लोग शामिल हुए। कुछ लोग इसे भाजपा का ही राजनीतिक एजेंडा मान रहे हैं, क्योंकि इस धर्म संसद में समान नागरिक संहिता लागू करने, हलाल सर्टीफिकेट जारी करने वाली कंपनियों का विरोध तथा धर्मांतरण रोकने जैसी मांगें भी उठाई गई। समागम में शामिल जैन मुनि लोकेश ने देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द से जल्द लागू करने की मांग की। धर्म संसद के मुख्य अतिथि द्वारका शारदा पीठ के जगदुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने राम जन्म भूमि की तरह श्री कृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी मस्जिद भी हिंदुओं को सौंपने की मांग की। धर्म संसद में शामिल अन्य प्रमुख लोगों में सीहोर के पंडित प्रदीप मिश्रा, हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास, अयोध्या के डॉ.राम विलास वेदांती आदि थे। लेकिन इस धर्म संसद से स्वामी अवधेशानंद गिरी, स्वामी गोविंदगिरी स्वामी कैलाशानंद गिरी, आचार्य बालकृष्ण, स्वामी चक्रपाणी, आचार्य प्रमोद कृष्णम्, स्वामी दीपांकर जैसी हस्तियां दूर रहीं। धर्म संसद के पहले 4 नवंबर को मथुरा में हिंदू संतों की एक महापंचायत भी हुई थी।

दरअसल हिंदू धर्म में मंदिरों के रखरखाव प्रबंधन और संचालन के लिए कोई एक सुनिश्चित व्यवस्था नहीं है। कई जगह सरकारों ने मंदिर प्रबंधन के लिए ट्रस्ट बना रखे हैं तो ज्यादातर मंदिरों का मैनेजमेंट पंडे पुरोहितों के भरोसे है। जबकि अखाड़ा परिषद का मानना है कि मंदिर प्रबंधन में सरकारी दखल होने से मंदिरों की परंपरा व व्यवस्था खंडित हो रही है। बताया जाता है कि अखाड़ा परिषद 'सनातन बोर्ड' का प्रारूप तैयार करवा रही है। इसमें 13 अखाड़ों के प्रमुख संतों, हर प्रदेश के हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज, वरिष्ठ अधिवक्ता, तीर्थपुरोहित व एक हिंदू प्रशासनिक अफसर को शामिल करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही सनातन बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को ही बनना चाहिए, क्योंकि उनके संपर्क में देशभर के धर्माचार्य रहते हैं। चेयरमैन सहित बोर्ड में कुल 21 सदस्य होने चाहिए। इसी मुद्दे पर संत पुरोहित समाज में रस्साकशी शुरू हो गई है। बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को बनाने के प्रस्ताव का अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने पुरज़ोर विरोध किया है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी और सचिव रूपेश मेहता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेजे पत्र में मांग की गई है कि सनातन धर्म रक्षा बोर्ड का नेतृत्व शंकराचार्यजी को करना चाहिए न कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को। क्योंकि बोर्ड का प्रारूप बनाने का अधिकार अखाड़ा परिषद को नहीं है। शंकराचार्यजी सनातन धर्म के सर्वमान्य प्रतिनिधि हैं। हालांकि अखाड़ा परिषद के भी दो धड़े हो चुके हैं। एक धड़े के अध्यक्ष निर्वाणी अखाड़े से और दूसरे निरंजनी अखाड़े से बताए जाते हैं।

वैसे सनातन बोर्ड के अलावा भारत के हिंदुओं को धार्मिक आधार पर संगठित करने और उसे एक कानूनी संगठन का रूप देने के लिए देश में संवैधानिक 'राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड' की स्थापना भी प्रस्तावित है। भारत का प्रत्येक हिंदू इस बोर्ड का सदस्य होगा। उसे राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड के प्रमुख को चुनने के लिए मताधिकार होगा। हालांकि हर हिंदू को इसका सदस्य बनने की अनिवार्यता नहीं होगी, जबकि जैन, सिख और बौद्ध धर्मावलंबी भी चाहें तो इसके सदस्य बन सकते हैं। प्रस्तावित बोर्ड के पास हिंदू मंदिरों के प्रबंधन के कानूनी अधिकार होंगे। वर्तमान में बड़े मंदिरों के प्रबंधन और स्वामित्व से जुड़े विवाद भी यह बोर्ड ही सुलझाएगा। इस कानून के तहत राष्ट्रीय सनातन रजिस्ट्रार की नियुक्ति होगी। यह कानून बनने के बाद मंदिरों के प्रबंधन के लिए वर्तमान में लागू हिन्दू देवस्थानम अधिनियम अप्रभावी हो जाएगा। यह ट्रस्ट हिंदू धर्म स्थानों का पंजीयन तो करेगा, लेकिन विभिन्न सम्प्रदायों, पन्थों, मठों आदि का अधिग्रहण नहीं करेगा, और न ही उनके दान का प्रबंधन करेगा। सभी विवाद नागरिकों की जूरी द्वारा ही सुने जायेंगे।

सनातन महजब की तरह अपने आप में कोई धर्म नहीं है। जो शाश्वत है, वही सनातन है और हिंदू धर्म व जीवन शैली की मुख्य धारा है। वर्तमान में देश में करीब 7 लाख छोटे बड़े हिंदू मंदिर हैं। इनमें भी सर्वाधिक मंदिर तमिलनाडु में हैं। अंग्रेजों के समय पर हिंदू मंदिरों के रखरखाव को लेकर पहली बार कानून 1863 में बना। इसके बाद तत्कालीन मद्रास (अब तमिलनाडु) में 1925 में हिंदू मंदिरों का प्रबंधन शक्तिशाली कमिश्नर बोर्ड के माध्यम से करने का कानून बना। केरल में मंदिरों के प्रबंधन के लिए देवस्वोम बोर्ड है, जो मंदिर के पुजारियों और अन्य स्टाफ की भर्ती भी करता है। कर्नाटक में सरकार हिंदू मंदिरों से भी टैक्स वसूलती है। वहां लागू कानून में प्रावधान है कि 1 करोड़ रू से अधिक वार्षिक आय वाले हिंदू मंदिरों को कमाई का 10 फीसदी व 10 लाख रू. तक की आय वाले मंदिरों को कमाई का 5 फीसदी सरकार को देनी होगी। सनातन बोर्ड बनेगा या नहीं, या कब बनेगा, यह मोदी सरकार पर निर्भर है, लेकिन जिस सुनियोजित तरीके से यह मांग उठाई जा रही है, उसका कुछ तो नतीजा निकलेगा। सवाल यह है कि क्या नई व्यवस्था भी मंदिरों का निर्विवाद संचालन कर पाएगी? क्योंकि अव्यवस्थाओं की शिकायतों के बाद ही तो इस काम में सरकारों ने हाथ डाला था।

एमपी में ठंड का असर बढ़ा

ग्वालियर,रीवा-चंबल संभाग में कोहरा

भोपाल में 10 साल में तीसरी सबसे सर्द रात पचमढ़ी में टेम्प्रेचर 7.8 डिग्री रहा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में ठंड का असर बढ़ गया है। बुधवार-गुरुवार की रात प्रदेश के सभी शहरों में टेम्प्रेचर 15 डिग्री के नीचे आ गया। भोपाल में तापमान 10.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो पिछले 10 साल में नवंबर का तीसरा सबसे कम तापमान रहा। यानी, यह रात तीसरी सबसे सर्द रात रही। इससे पहले 2017 में 9.6 डिग्री और 2022 में 10.2 डिग्री पारा पहुंचा था। इंदौर में 13.9 डिग्री और उज्जैन में 11.5 डिग्री रहा। दोनों ही शहरों में पिछले साल से कम तापमान दर्ज किया गया।

पचमढ़ी में 7.8 डिग्री रहा। पचमढ़ी प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। पूरे नवंबर में यहां दिन और रात दोनों ही सबसे ठंडे है। इसी तरह मंडला में 9.1 डिग्री, उमरिया में 9.8 डिग्री, नौगांव-राजगढ़ में 10 डिग्री, रीवा में 10.4 डिग्री, सतना में 10.6 डिग्री, बालाघाट में 10.8 डिग्री, रायसेन में 11 डिग्री, गुना में 11.2 डिग्री, खजुराहो में 12 डिग्री, टीकमगढ़ में 12.1 डिग्री, खंडवा में 12.4 डिग्री, दमोह में 12.6 डिग्री, बैतूल में 12.7 डिग्री और खरगोन में 12.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर-उज्जैन समेत 28 शहरों में पारा सामान्य से नीचे है। ऐसा ही मौसम अगले कुछ दिन और बना रहेगा। गुरुवार सुबह ग्वालियर, चंबल और रीवा संभाग के कई जिलों में कोहरा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार सुबह ग्वालियर, दतिया, भिंड, श्योपुर, मुरैना, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में मध्यम कोहरा छाया रहा। भोपाल में भी सुबह के समय कोहरा है। यहां 1 से 2 किलोमीटर तक विजिबिलिटी यानी, दृश्यता है। राजधानी में पिछले 5 दिन से ऐसा ही मौसम है।

नवंबर में पिछले साल से भी ज्यादा ठंडा है भोपाल

प्रदेश के 5 बड़े शहर- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में रात का टेम्प्रेचर सामान्य यानी, 15 डिग्री के नीचे है। भोपाल में पिछले साल के मुकाबले इस बार अभी से ज्यादा सर्दी पड़ रही है। यहां पिछले साल जहां नवंबर में रात का टेम्प्रेचर 12.8 डिग्री तक ही पहुंचा था। वहीं मंगलवार-बुधवार की रात टेम्प्रेचर 11 डिग्री दर्ज किया गया। यह 10 साल में नवंबर का सातवां सबसे कम तापमान है।

'यही समय है, सही समय है': मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सीएम इंदौर सिम्बायोसिस स्किल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज किताबी ज्ञान भले ही पूरा हुआ हो परंतु दीक्षांत के बाद स्वाध्याय, मनन और चिंतन सतत् जारी रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मंत्र दिया कि 'यही समय है - सही समय है।' मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को इंदौर में सिम्बायोसिस स्किल यूनिवर्सिटी के छठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते दौर में भारत में बहुत से उल्लेखनीय काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। हमारी नई पीढ़ी तकनीकी रूप से दक्ष बने और देश के विकास और समग्र मानव समाज के कल्याण में अपना योगदान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इज़राइल का उदाहरण देते हुए कहा कि तकनीकी ज्ञान के बल पर ही इज़राइल ने अनेक चुनौतियों से पार पाया है। हमें भी अपनी क्षमता और तकनीकी दक्षता को शिखर तक ले जाना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नैतिकता सदा ही सर्वोपरि है। शिक्षा के साथ संस्कारों की दीक्षा भी ज़रूरी है। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और जीवन में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शिखर हैं किन्तु सिम्बायोसिस समूह जिन्होंने तकनीकी दक्षता और तकनीकी क्षेत्र में विश्वविद्यालय स्थापित किया है, यह और भी महत्वपूर्ण योगदान हो जाता है। उन्होंने प्रो. चांसलर डॉ. स्वाति मजूमदार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिका को छोड़कर भारत में शिक्षा को अपना जीवन समर्पित किया है। प्रारंभ में सिम्बायोसिस तकनीकी विश्वविद्यालय की प्रो. चांसलर डॉ. मजूमदार ने स्वागत भाषण दिया और कुलगुरु डॉ. विनीत नायर ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। दीक्षांत समारोह में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, डॉ. भारत शरण सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपदामुक्त सिंहस्थ-2028 के प्रशिक्षण का शुभारंभ किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को उज्जैन में पुलिस लाइन सरोवर पर सिंहस्थ- 2028 को आपदामुक्त संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 18 हजार पुलिस, एसडीआरएफ, होमगार्ड जवान एवं सिविल वॉलिंटियर्स को श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान डीप

डाइवर्स, तैराकों, बोट हैंडलर्स के कार्यों का अवलोकन किया तथा ब्रीदिंग अप्रैटस, स्नेक कैचर एवं आपदा प्रबंधन के कार्य में आने वाले अन्य उपकरणों का निरीक्षण भी किया। उपकरणों की जानकारी डिविजनल कमांडेंट होमगार्ड श्री रोहतीश पाठक एवं जिला कमांडेंट होमगार्ड श्री संतोष कुमार जाट द्वारा दी गई। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद श्री अनिल फिरोजिया,विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, श्री जितेंद्र सिंह पंड्या, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जनप्रतिनिधि श्री संजय अग्रवाल, श्री रवि सोलंकी, संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, एडीजीपी श्री उमेश जोगा, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

हिंदू राष्ट्र के नारे के साथ धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा

हनुमान चालीसा पाठ हुआ, भगवा ध्वज के साथ बढ़ रहे शास्त्री बोले-अब जात-पात खत्म करें

छतरपुर (नप्र)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की 'सनातन हिंदू एकता' पदयात्रा हिंदू राष्ट्र के नारे के साथ शुरू हो गई है। यात्रा की शुरुआत बागेश्वर धाम से गुरुवार सुबह 11.15 बजे हुई। धीरेंद्र शास्त्री ने पदयात्रा में शामिल हुए लोगों को अभिवादन किया। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज, भगवा ध्वज फहराने के साथ ही राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया।

ये पदयात्रा पहले दिन ग्राम गढ़ा तिराहा से होते हुए लगभग 20 किमी दूर ग्राम कदारी तक पहुंचेगी। इस दौरान बुंदेली कलाकार लोक कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। 9 दिनों में यात्रा बागेश्वर धाम से रामराजा मंदिर ओरछा तक करीब 160 किमी का सफर तय करेगी। यात्रा में कुल 8 पड़ाव होंगे। यात्रा में देश के कई संतों के साथ ही कला क्षेत्र से जुड़ी हस्तियां भी शामिल हैं।

गुना-शिवपुरी हाईवे पर ट्रक टकराए कंडेक्टर और ड्रायवर की मौत

4 घंटे बाद निकाले गए केबिन में शव, एक ही लेन से आ रहे थे

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी में गुरुवार तड़के ट्रक और मिनी ट्रक की भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद आयशर ट्रक के ड्राइवर और हेल्पर करीब 4 घंटे तक केबिन में ही फंसे रहे। बाद में क्रेन की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसा गुना-शिवपुरी हाईवे पर ककरवाया ओवरब्रिज के पास हुआ।

जानकारी के मुताबिक, एक तरफ टमाटर से भरा ट्रक गुना से ग्वालियर की ओर जा रहा था तो आलू से भरा आयशर ट्रक ग्वालियर से गुना की ओर जा रहा था। इसी दौरान ओवरब्रिज के पास फोर लेन पर दोनों की आमने-सामने की टक्कर हो गई।

आयशर ट्रक के केबिन पर पलटा ट्रक- टक्कर के बाद टमाटर लोड ट्रक आयशर ट्रक के केबिन पर पलट गया। सूचना के बाद मौके पर देहात पुलिस पहुंची।कड़ी मशक्कत के बाद ड्राइवर और हेल्पर को निकाला जा सका। हालांकि तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। दोनों शव को निकालने में करीब चार घंटे का समय लगा। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतकों की पहचान सुनील शर्मा और हरिओम शर्मा के रूप में हुई है। दोनों भिंड जिले के रहने वाले थे। पुलिस ने परिजन को सूचना दे दी है।

4 घंटे तक गुना-शिवपुरी हाईवे में जाम रहा

टक्कर के बाद चार घंटे तक गुना-शिवपुरी हाईवे में जाम की स्थिति बनी रही। ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। हाईवे की एक लेन बंद होने से सड़क पर चार घंटे जाम लगा रहा। क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को किनारे किया गया। वाहनों को किनारे करने के बाद एक ओर से आ रहे ट्रैफिक को निकाला जा सका। वहीं यातायात पुलिस को दूसरी ओर से आ रहे ट्रैफिक को शहर के बाइपास से गुजारना पड़ा।

एक ही लेन से गुजर रहा ट्रैफिक

शिवपुरी शहर के गुना-शिवपुरी फोरलेन बाइपास ककरवाया गांव के पास करीब दो किलोमीटर हाईवे की एक पट्टी को एनएचएआई ने बंद किया हुआ है। करीब एक साल से दोनों ओर का ट्रैफिक हाईवे की एक ही लेन से गुजर रहा है। इससे पहले 12 अगस्त को भी इसी जगह पर इसी तरह से एक ट्रक और एक आयशर ट्रक टकरा गए थे। इसमें ड्राइवर की मौत हो गई थी। अब तक इस दो किलोमीटर की लेन पर एक दर्जन से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

दोस्त ने फूफा-भतीजे का चेहरा गोदा, आंखें भी निकालीं थीं

मंदिर विवाद में की हत्या, कोर्ट ने हत्याकांड में 13 को सुनाई उम्रकैद की सजा

खंडवा (नप्र)। 7 फरवरी 2023 को खंडवा के ताल्याधड़ के जंगल में हनुमान मंदिर पर लंगोट चढ़ाने जा रहे फूफा तुलसीराम और भतीजे बद्रीलाल यादव पर 13 लोगों ने घात लगाकर हमला कर दिया था। उनके दम तोड़ने तक बल्लम और फरसे से चेहरे को गोदते रहे, फिर पत्थर से कुचल दिया। चेहरा गोदते समय फूफा-भतीजे की आंखें बाहर निकल आई थीं।

इस दोहरे हत्याकांड में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुष्पद पाठक की कोर्ट ने 18 नवंबर को 85 पेज का फैसला सुनाया है। इसमें पंजाब के केस का हवाला देते हुए कहा, आरोपियों के कृत्य के कारण यह हत्याकांड हुआ है, ऐसे में आरोपीगण को कम दंड से दंडित किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है। इसलिए आरोपीगण पर धारा 341, 148, 302, 149 (दो शीर्ष) धाराओं में आजीवन कारावास के साथ अर्थदंड लगाया जाता है। फैसले को

तुलसीराम, मृतक बद्रीलाल, मृतक

लेकर मृतकों के परिवार वाले ने संतोष जताया है। उन्होंने कहा- अब जाकर न्याय मिला।

मंदिर निर्माण के ठेके को लेकर दो दोस्त बने दुश्मन- मामला 7 फरवरी 2023 को खालवा थाना क्षेत्र के नामापुर गांव का है। गांव में ही रहने वाले बद्री यादव (40) और तुलसीराम यादव (55) बाइक से तालाधड़ जंगल के हनुमान मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान जंगल की पुलिया के पास घात लगाकर बैठे 13 लोगों ने उन पर कुल्हाड़ी, फरसा और बल्लम से हमला कर हत्या कर दी। वारदात से आक्रोशित मृतकों के परिजन धरने पर बैठ गए और पुलिस को शव नहीं उठाने दिए। पुलिस के आश्वासन के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्ट्म के लिए भेजा जा सका। पुलिस की ही मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। जांच में सामने आया कि दोहरे हत्याकांड को बद्री के पुराने दोस्त और रिश्तेदार माखन यादव ने अंजाम दिया था। 2017 में मंदिर निर्माण के ठेके को लेकर बद्री और माखन के बीच विवाद हो गया था।